संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 07
पृष्ठ 8
मंगलवार
22 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दाद और खुजली के फंगल... | विचार- राही मासूम रज़ा, रह रह कर याद... | खेल- एशियन गेम्स 2026 से पहले...

छोटी घटनाएं बड़ी न बनें, नजर रखें डीएम-एसपी : योगी

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचें प्रशासन व पुलिस के आलाधिकारी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा बनाना चाहते हैं। ऐसे में जनपदों में हर छोटी से छोटी घटना पर जिलाधिकारी व एसपी स्वयं नजर रखें। तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई कर मामलों का पटाक्षेप कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि छोटी-छोटी घटनाओं में भी उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री हर पीड़ित से मिले। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस, राजस्व, विद्युत आदि से जुड़ी शिकायतों का प्रार्थना पत्र लेते हुए कहा कि सरकार साढ़े 9 वर्ष से बिना भेदभाव हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान करा रही है। अधिकारी संवेदनशील होकर जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें। पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं, मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराएं और भूमाफियाध्दबंगों पर कठोरतम कार्रवाई करें। पुलिस व राजस्व से जुड़ीं शिकायतें अधिक रहीं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से जनसमस्याओं का जनपदों में निराकरण कराएं। यदि किसी मातहत द्वारा लापरवाही की शिकायत मिले तो उस पर भी कार्रवाई करें। सीएम ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मां के साथ आए नन्हे बच्चे से मुख्यमंत्री ने हालचाल पूछा। फिर पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उसकी तरफ चॉकलेट बढ़ाई तो उसने झट से चॉकलेट ले ली। फिर सीएम ने चॉकलेट वापस मांगी तो बच्चे ने मना कर दिया। इस पर पूरा हॉल खिलखिला उठा। मुख्यमंत्री ने सुखद भविष्य का आशीर्वाद देते हुए बच्चे से मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

आवारा मवेशियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एनएचएआई, शेल्टर होम बनाने के निर्देश पर जताई चिंता

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने आवारा कुत्तों और मवेशियों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। इसमें देशभर में आवारा मवेशियों के लिए शेल्टर होम बनाने के निर्देश पर चिंता जताई गई है। एनएचएआई का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह निदेश दिया है कि वह पूरे देश में आवारा पशुओं के लिए शेल्टर होम बनाए, लेकिन ऐसा करने में लगभग सात हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उसने तर्क दिया कि इसके बजाय स्थानीय जिला प्रशासन को शेल्टर होम बनाने चाहिए। याचिका में सुनवाई के लिए जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस संजय कुमार की एक स्पेशल बेंच बनाने की मांग की गई। एनएचएआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला रखा।

ओडिशा में पाठ्यपुस्तकों में गलतियों का विरोध

कॉजपा ने मांगा मंत्री नित्यानंद गोंड का इस्तीफा

नयी दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में कथित गलतियों के लिए ओडिशा के स्कूल और जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी नवनिर्माण युवा छात्र संगठन (एनवाईसीएस) के सत्याग्रह को सोमवार को अपना समर्थन दिया। कॉजपा के सह-संयोजक सौरव दास ने कहा कि पार्टी स्कूली शिक्षा में सुधारों और पाठ्यपुस्तकों में गलतियों के लिए जवाबदेही तय करने की कार्यकर्ताओं की मांग का समर्थन करती है। दास पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत शहर में थे। उन्होंने कहा, "कॉजपा, एनवाईसीएस के कार्यकर्ताओं का समर्थन करती है जो स्कूली शिक्षा में सुधार और पाठ्यपुस्तकों में गलतियों को लेकर गोंड के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।" उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तकों की छपाई के लिए 380 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन उनमें कई गलतियां सामने आई हैं। हमें लगता है कि पाठ्यपुस्तकों में भारी गलतियों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।" दास ने कहा कि वह नवनिर्माण कृषक संगठन (एनकेएस) के संयोजक अक्षय कुमार और एनवाईसीएस नेता मनवर अली के निमंत्रण पर राज्य में आए थे, जो पाठ्यपुस्तक मुद्दे पर दो सप्ताह से अधिक समय से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा, "साथ मिलकर, हम शिक्षा सुधारों और पाठ्यपुस्तक की गलतियों से संबंधित मुद्दे पर एक खाका तैयार करेंगे।" दास ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का भी जिक्र किया और कहा कि गोंड को भी पाठ्यपुस्तकों में हुई गलतियों की इसी तरह से जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस बीच, नवनिर्माण युवा छात्र संगठन ने राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सुधार और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग करते हुए 22 सितंबर को ओडिशा विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की है। इस बीच, विपक्षी बीजू जनता दल की युवा और छात्र इकाई ने भी गोंड के इस्तीफे की मांग करते हुए विधानसभा का मंगलवार को घेराव करने की घोषणा की।

कांग्रेस ने जीएसटी दरों में कटौती को लेकर सरकार पर साधा निशाना, महंगाई का हवाला

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि सितंबर, 2025 में की गई जीएसटी दरों में कटौती का उपभोग बढ़ाने पर असर मिला-जुला रहा है और बढ़ती महंगाई ने कई उपभोक्ता वस्तुओं पर इस कटौती के प्रभाव को लगभग बेअसर कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि जीएसटी दरों में कटौती लंबे समय से लंबित थी, लेकिन इसे परिवर्तनकारी और जादुई छड़ी के तौर पर पेश करना अतिशयोक्ति थी। उन्होंने कहा, वास्तव में, उपभोग बढ़ाने में उनका प्रभाव अधिकतम मिला-जुला रहा है। मसलन, ऑटोमोबाइल की बिक्री को फायदा हुआ, जबकि परिधान की बिक्री में ऐसा नहीं हुआ।श कांग्रेस नेता ने कहा कि अब इस बात के भी प्रमाण सामने आ रहे हैं कि विभिन्न वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती के प्रभाव को तेजी से बढ़ती महंगाई बेअसर कर रही है। उन्होंने दावा किया, कई उपभोक्ता वस्तुओं में कीमतें एक साल के भीतर जीएसटी कटौती से पहले के स्तर के करीब लौट गई हैं और उपभोग में कोई सार्थक बढ़ोतरी नहीं हुई है। रमेश ने कहा कि जीडीपी के आंकड़े सरकार को कुछ समय के लिए खुशी दे सकते हैं, लेकिन भारत की आर्थिक विकास की कहानी में कई ऐसे पहलू हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना है, प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों की ओर से इन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि देश में सभी आय वर्गों में उपभोग की स्थिति मजबूत नहीं है, निजी निवेश में तेजी नहीं आ रही है और वास्तविक मजदूरी में गिरावट हो रही है।

टीएमसी के बैंक खातों का संचालन जारी रहेगा, हाई कोर्ट से ममता बनर्जी को राहत

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर चल रहे विवाद के बीच पार्टी के वित्तीय संचालन को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने तीन बैंक खातों के संचालन के लिए पहले से लागू व्यवस्था को आगे बढ़ाया है। इसके तहत पार्टी रोजमर्रा के जरूरी खर्च और कानूनी जरूरतों के लिए खातों से राशि का इस्तेमाल कर सकेगी, लेकिन लेन-देन अदालत द्वारा नियुक्त विशेष अधिकारी की निगरानी में होगा। इससे ममता बनर्जी को राहत मिलेगी। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के विवाद को देखते हुए आगामी उपचुनावों के लिए पार्टी के मूल नाम 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और पारंपरिक 'फूल और घास' चिन्ह के इस्तेमाल पर अंतरिम रोक लगा दी है। आयोग ने कहा कि दोनों गुट पार्टी पर नियंत्रण का दावा कर रहे हैं और अंतिम निर्णय अभी बाकी है। हालांकि, चुनावी पहचान को लेकर आयोग की यह अंतरिम व्यवस्था पार्टी के बैंक खातों के संचालन से अलग मामला है। बैंक खातों के संबंध में हाई कोर्ट ने पहले से तय निगरानी व्यवस्था जारी रखी है। हाई कोर्ट ने जुलाई में तीन बैंक खातों के अस्थायी संचालन के लिए रिटायर्ड जज सुब्रत तालुकदार को विशेष अधिकारी नियुक्त किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि खातों की राशि का इस्तेमाल पार्टी के आवश्यक रोजमर्रा के कामकाज और कानूनी खर्चों के लिए किया जा सकता है। बड़े या अन्य खर्चों के लिए विशेष अधिकारी की मंजूरी जरूरी होगी। यानी बैंक खाते पूरी तरह पार्टी के नियंत्रण से बाहर नहीं हैं, लेकिन उनका संचालन सामान्य बैंकिंग व्यवस्था की तरह स्वतंत्र भी नहीं है। प्रत्येक लेन-देन पर अदालत द्वारा तय निगरानी व्यवस्था लागू रहेगी।

जमुई में छात्रा से बदसलूकी करने वालों पर पॉक्सो के तहत हो कार्रवाई : खरगे-राहुल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार के जमुई में दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ बदसलूकी करने वालों के खिलाफ पॉक्सो के तहत मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द उन्हें सजा देने की मांग की और कहा कि इस तरह की घटनाओं में राज्य सरकार की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। श्री खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बिहार के जमुई में छात्रा के साथ शर्मनाक घटना हुई है। इससे पहले दिल्ली में 17 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना हुई। ऐसी वारदातें भाजपा के नारी शक्ति वंदन और बेटी बचाओ के दावों का पर्दाफाश करती हैं। कांग्रेस की मांग स्पष्ट है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और राज्य सरकारों की जवाबदेही तय हो। श्री गांधी ने कहा कि बिहार के जमुई का एक वीडियो बहुत बेचैन करने वाला है। दसवीं कक्षा के एक छात्र और छात्रा को रास्ते में जबरदस्ती रोक लिया गया। उन्हें प्रताड़ित और अपमानित किया गया तथा छात्रा के साथ उत्पीड़न किया गया। बच्ची हाथ जोड़कर उसे जाने देने की विनती करती रही, मगर अपराधी उसके साथ गलत तरीके से व्यवहार करते और खींचातानी करते रहे। उन्होंने सवाल किया कि इन लोगों को ऐसी बदतमीजी करने का हक किसने दिया। उन्होंने कहा कि वीडियो में दिख रहे हर व्यक्ति की पहचान होनी चाहिए और अपराधियों पर पॉक्सो के तहत मुकदमा चलाकर उन्हें जल्द से जल्द सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि यह घटना 19 सितंबर की है तो गुनहगार अब तक सलाखों के पीछे क्यों नहीं हैं। उन्होंने बिहार सरकार से जवाब मांगा कि शाम सात बजे कोई लड़की राज्य की सड़कों पर सुरक्षित क्यों नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जमुई की घटना इतनी भयावह है कि सोशल मीडिया एक्स घटना के दृश्यों वाले पोस्ट को प्रतिबंधित कर रहा है, जिसमें उनका अपना पोस्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की सेंसरशिप वास्तविकता को छिपा नहीं सकती। श्री खेड़ा ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा करने वालों के खिलाफ दृढ़ता दिखाते हुए मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई की होती तो जवाबदेही और अपराध रोकने का स्पष्ट मानक स्थापित किया जा सकता था। उनके अनुसार आरोपियों को बचाने और उन्हें राजनीतिक तथा संस्थागत संरक्षण देने के प्रयासों से ऐसा माहौल बनता है जिसमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा सामान्य होती जाती है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट मामले में बड़ा मोड़, मजिस्ट्रेट का आदेश रद्द, 29 सितंबर को फिर सुनवाई

नयी दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से जुड़े मतदाता सूची मामले में दिल्ली की अदालत ने सोमवार को अहम आदेश दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने उस पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिकता हासिल करने से पहले मतदाता सूची में शामिल किए जाने के आरोपों की जांच और एफआईआर की मांग वाली शिकायत को खारिज करने के मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी गई थी। अदालत ने पुराने आदेश को रद्द करते हुए मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया। यह मामला शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी की याचिका से जुड़ा है। आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी का नाम वर्ष 1980 की मतदाता सूची में शामिल था, जबकि उन्होंने भारतीय नागरिकता वर्ष 1983 में हासिल की थी। इसी आधार पर शिकायतकर्ता ने कथित अनियमितता और दस्तावेजों की जांच की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज करने की अपील की थी।

शोषल मीडिया अवमानना केसः अरविन्द केजरीवाल को राहत, दिल्ली हाई कोर्ट में 16 नवंबर को सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य के खिलाफ न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ कथित तौर पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट फैलाने के मामले में आपराधिक अवमानना घ्घ्घ्के मामले की सुनवाई 16 नवंबर को तय की। न्यायमूर्ति नवीन चावला और अरुण भारद्वाज की पीठ ने केजरीवाल और अन्य प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया। अदालत ने वकील अशोक चौतन्य द्वारा केजरीवाल और अन्य, जिनमें आप नेता गोपाल राय और पत्रकार सौरभ दास शामिल हैं। उसके खिलाफ न्यायमूर्ति शर्मा के खिलाफ कथित तौर पर सुनियोजित सोशल मीडिया अभियान चलाने के आरोप में दायर एक अलग अवमानना याचिका की सुनवाई के लिए भी 16 नवंबर की तारीख निर्धारित की। सुनवाई के दौरान, केजरीवाल के सीनियर वकील ने कहा कि उन्हें अभी तक अवमानना मामले का आधार बनने वाली पूरी सामग्री नहीं मिली है। बेंच ने रजिस्ट्री को वह सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिसे अधूरा बताया गया था और कहा अगर कोई जवाब देना हो, तो उसे चार हफ़्ते में दाखिल किया जाए। 19 मई को, जस्टिस शर्मा द्वारा शुरू किए गए स्वतः संज्ञान वाले अवमानना मामले में हाई कोर्ट ने केजरीवाल और अन्य नेताओं को नोटिस जारी किया था और उन्हें अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ़्ते का समय दिया था।

सितम्बर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता महिला काव्यगोष्ठी देहरादून इकाई की सचिव यामा शर्मा 'उमेश' को दिया जाएगा

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान सितम्बर 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी देहरादून इकाई से आदरणीया यामा शर्मा श्उमेशश जी को दिया जाएगा। रचनाकार यामा शर्मा श्उमेशश जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30-35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

जमुई में छात्रा से अभद्रता मामले में एसआइटी ने 3 आरोपी दबोचे, पास्को एक्ट में केस दर्ज

जमुई,एजेंसी। जमुई जिला अंतर्गत एक नाबालिग छात्रा और उसके मित्र के साथ छेड़खानी एवं अभद्र व्यवहार करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस अत्यंत संवेदनशील मामले को संज्ञान में लेते हुए जमुई पुलिस द्वारा त्वरित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है इस संबंध में जमुई थाना कांड सं०-428/26, दिनांक- 21.09.2026, धारा- 74/76/3(5) बी०एन०एस० एवं 08/12 पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय, जमुई विश्वजीत दयाल के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दीप्ति मोनाली के नेतृत्व में एक विशेष ै.प्.ज. टीम गठित कर छापेमारी की जा रही है। वायरल विडियो में आरोपियों की पहचान कर ली गई है। तीन आरोपी गिफ्तार किए गए हैं। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी एवं अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है। अपलोड वीडियो को टेक डाउन की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, बिहार राज्य महिला आयोग ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए कथित घटना पर जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। जमुई के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विश्वजीत दयाल ने संवाददाताओं से कहा कि कथित घटना 19 सितंबर की शाम की है और वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे वाहन के नंबर के आधार पर पीड़ित लड़के और लड़की का पता लगा लिया गया है। उन्होंने कहा कि कथित घटना दो दिन पुरानी है, लेकिन कल तक न तो पीड़ित लड़के और न ही लड़की ने पुलिस से कोई शिकायत की थी। आज जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तब हमने दोनों पीड़ितों का पता लगाया। दयाल ने बताया कि जमुई थाने में दर्ज प्राथमिकी में पीड़ितों ने किसी आरोपी का नाम नहीं लिया है, लेकिन वीडियो फुटेज की मदद से करीब सात लोगों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दयाल ने बताया कि पीड़ित लड़का और लड़की एक ही कोचिंग संस्थान में पढ़ते हैं।

घर की रसोई से चमक रहे बाल और त्वचा

प्रयागराज। बाजार में मिलने वाले हेयर केयर प्रोडक्ट से फायदा नहीं मिला तो दारागंज निवासी शुभि रस्तोगी ने घर में मौजूद प्राकृतिक चीजों से शैंपू और हेयर ऑयल तैयार करना शुरू किया। अब वह प्राकृतिक और आयुर्वेदिक सामग्री से साबुन, शैंपू, हेयर ऑयल तैयार कर रही हैं। शुभि आंवला–रीठा शैंपू 20

आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों से तैयार करती हैं। इसमें आंवला, रीठा, शिकाकाई और गुड़हल जैसी चीजों का इस्तेमाल करती हैं। हेयर ऑयल में प्याज, रोजमेरी, आंवला, भृंगराज, मेथी और कलौंजी शामिल करती हैं। मुल्तानी मिट्टी, डी–टैन, नीम और चारकोल वाले साबुन तैयार करती हैं। बच्चों के लिए कार, डोनट, आइसक्रीम और कार्टून कैरेक्टर के आकार के साबुन भी बनाती हैं। खास बात कि शुभि घर में भगवान को चढ़ाए गए फूलों को सुखाकर उसका पाउडर भी साबुन बनाने में इस्तेमाल करती हैं।

इंस्टाग्राम उनके कारोबार का प्रमुख माध्यम है। वीडियो के जरिये उत्पाद बनाने की प्रक्रिया साझा करने पर प्रयागराज के अलावा दिल्ली, मेरठ और लखनऊ से भी ऑर्डर मिलते हैं। शुभि के अनुसार ऑर्डर के आधार पर न्यूनतम करीब 10 से 15 हजार रुपये मासिक आय हो जाती है।

फॉरेंसिक विज्ञान में पुलिस और अभियोजन अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपराधिक न्याय व्यवस्था में तकनीकी सुधारों और फॉरेंसिक विज्ञान के बेहतर इस्तेमाल को लेकर पुलिस व अभियोजन अधिकारियों को नियमित प्रशिक्षण का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपराधिक न्याय व्यवस्था में तकनीकी सुधारों और फॉरेंसिक विज्ञान के बेहतर इस्तेमाल को लेकर पुलिस व अभियोजन अधिकारियों को नियमित प्रशिक्षण का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने ललितपुर की आतिश उर्फ कृष्णकांत की जमानत याचिका पर दिया।

एनआईसी नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल शशि कांत शर्मा और यूपी के अपर पुलिस महानिदेशक (टेक्निकल) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने बताया कि चार्जशीट के सर्किल अधिकारी की ओर से सत्यापन का विकल्प जोड़ा गया है। मेडलीएपीआर (मेडिको–लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग सिस्टम) और ई–फॉरेंसिक लैब रिपोर्ट तक पहुंच की व्यवस्था पर काम चल रहा है। पोस्टमार्टम, यौन उत्पीड़न और चोट संबंधी रिपोर्ट अब सीसीटीएनएस के माध्यम से पुलिस को सीधे उपलब्ध कराई जा रही है।

कोर्ट ने शाहजहांपुर के तिलहर थाने में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई पुलिस केस डायरी तक न्यायालय की पूर्ण ऑनलाइन पहुंच की व्यवस्था को पूरे प्रदेश में लागू करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान की पर्याप्त जानकारी के अभाव में सरकारी वकील मामलों में प्रभावी सहयोग नहीं कर पाते हैं। कोर्ट ने फॉरेंसिक विज्ञान पर कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए प्रयागराज के तत्कालीन पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार और बुलंदशहर के जिला जज व एसपी के प्रयासों की सराहना की। कोर्ट ने प्रमुख सचिव विधि एवं न्याय और डीजीपी को पुलिस व अभियोजन अधिकारियों के नियमित प्रशिक्षण और जिला न्यायाधीशों को न्यायिक अधिकारियों के लिए ऐसी कार्यशालाएं कराने का आदेश दिया। अधिकांश आदेशों का पालन होने पर कोर्ट ने याचिका का अंतिम निस्तारण कर दिया।

सीवरेज फार्म की अनुपयोगी जमीन पर पीडीए बनाएगा आवास

प्रयागराज। शहरी क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को अपना घर कैसे मुहैया कराया जा सके, इसके लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। पीडीए की 20 से 30 वर्ष पुरानी आवासीय योजनाओं में अनुपयोगी पड़ी सीवरेज फार्म की जमीन पर आवास बनाए जाएंगे।

दरअसल, शहरी क्षेत्र में जमीन बची नहीं है और पीडीए का प्रयास है कि शहरी क्षेत्र में उन जमीनों का उपयोग किया जाए, जो विभिन्न कारणों से खाली पड़ी हैं। झलवा, कालिंदीपुरम समेत कई क्षेत्रों में पीडीए की 30 वर्ष तक पुरानी आवासी योजनाएं हैं। इनकी स्थापना के वक्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की तकनीक लागू नहीं थी और न ही पीडीए की परियोजनाओं में ऐसी कोई सीवर लाइन थी जो किसी बड़े प्लांट से जुड़ी हो।

उस वक्त पीडीए ने अपनी आवासीय परियोजनाओं में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बड़े–बड़े सीवरेज फार्म बनवा दिए थे। बाद में नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बने और सीवर लाइन बिछाकर आवासीय योजनाओं के कनेक्शन ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ दिए गए। ऐसे में आवासीय योजनाओं में बनाए गए सीवरेज फार्म की जमीन अनुपयोगी हो गई और वहां अवैध कब्जे शुरू हो गए। पीडीए बोर्ड की बैठक इस पर चर्चा होने के बाद प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने सभी आवासीय योजनाओं का निरीक्षण किया और तय हुआ कि सीवरेज फार्म की जमीन से अवैध कब्जा हटाकर वहां प्लॉट तैयार किए व नीलामी के माध्यम से उनकी बिक्री की जाएगी। इससे पहले से विकसित योजनाओं में प्लॉट लेने वालों को सभी मूलभूत सुविधाएं भी तत्काल उपलब्ध हो जाएंगी।

रेलवे सिग्नल से छेड़छाड़ की जांच अब बारा पुलिस करेगी

प्रयागराज। जसरा–मदरहा के बीच रेलवे सिग्नल से छेड़छाड़ कर ट्रेन संचालन प्रभावित करने के मामले में यमुनापार की बारा पुलिस को केस स्थानांतरित कर दिया गया है। 24 अगस्त की रात प्रयागराज–मुंबई रेल मार्ग पर बरौनी–गोंदिया एक्सप्रेस के संचालन को प्रभावित करने के लिए सिग्नल की हरी बत्ती को काली पॉलिथीन से ढक दिया गया था। आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की सतर्कता से समय रहते सिग्नल से छेड़छाड़ का पता चल गया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया था। मामले में आरपीएफ ने रेलवे एक्ट के तहत पुलिस ने बारा के जज्जी पुरवा निवासी संगीत नाथ (19), माहिल (18) और रायबरेली की काशीराम कॉलोनी निवासी राजन (21) को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल बांदा जेल में निरुद्ध हैं। मामले की गंभीरता और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए केस की विवेचना अब आरपीएफ से थाना बारा पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है। थाना बारा में रेलवे अधिनियम की धारा 150 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अतीक के बेटे अली के काफिले में शामिल वाहनों की चेकिंग, कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में किया गया पेश

प्रयागराज/कौशाम्बी। झांसी जेल से प्रयागराज पेशी के लिए लाए जा रहे अली अहमद के काफिले को कौशाम्बी के सैनी क्षेत्र में पुलिस ने रोककर सभी वाहनों की सघन तलाशी ली। जांच के दौरान अली और उसकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी वाहनों से बाहर आ गए। पुलिस ने रूटीन चेकिंग बताते हुए तलाशी के बाद काफिले को आगे रवाना कर दिया। अली को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रयागराज में एडीजे कोर्ट में पेश किया गया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद के काफिले को सैनी पुलिस ने रोक लिया। वाहनों की सघन तलाशी के बाद पुलिस ने काफिले को आगे जाने दिया। इस दौरान कुछ देर तक अफरातफरी की स्थिति रही। अली अहमद को पेशी के लिए झांसी जेल से प्रयागराज लाया जा रहा था। अली के खिलाफ प्रयागराज के करेली थाने में हत्या के प्रयास और रंगदारी मांगने का मामला दर्ज है। पीड़ित अफजल ने अली अहमद और असाद कालिया समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

इसी मामले में सोमवार को अली अहमद की पेशी होनी थी। इसके लिए उसे झांसी जेल से प्रयागराज लाया जा रहा था। वाहनों का काफिला जब सैनी क्षेत्र में पहुंचा तो हाईवे पर पुलिस ने उसे रोक लिया। अली अहमद समेत उसकी सुरक्षा में तैनात सभी पुलिसकर्मी वाहनों से बाहर आ गए। इसके बाद पुलिस ने काफिले में शामिल सभी वाहनों की सघन तलाशी ली। काफिले में सात–आठ गाड़ियां शामिल थीं। सभी की सघन तलाशी ली गईं। करीब 15 मिनट तक तलाशी अभियान चला। इसके बाद अली अहमद को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रयागराज की एडीजे कोर्ट में पेश किया गया।

काफिले में शामिल सभी वाहनों की हुई चेकिंग

तलाशी के बाद पुलिस ने अली अहमद और उसके काफिले को छोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा के मद्देनजर यह चेकिंग कराई गई थी। सैनी पुलिस ने बताया कि अली के काफिले को रोकने का कोई पूर्व नियोजित कार्यक्रम नहीं था। रूटीन चेकिंग के तहत सभी वाहनों को रोककर जांच की जा रही थी। इसी दौरान अतीक अहमद के बेटे अली का काफिला वहां से गुजर रहा था, इसलिए उसे भी रोककर वाहनों की जांच की गई। चेकिंग के बाद काफिले को जाने दिया गया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली।

अली का भाई अहजम को पुलिस ने रोका

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को पुलिस प्रयागराज लेकर पहुंची है। अली की गाड़ी के पीछे भाई अहजम भी गाड़ी से चल रहा था, उसे रोक दिया अली को धमकी, रंगदारी और जान से मारने की कोशिश से जुड़े मामले में प्रयागराज के एडीजे कोर्ट में पेश किया जाना है। अली को भारी सुरक्षा के बीच पुलिस तड़के झांसी जेल से लेकर निकली थी।

अली की गाड़ी के पीछे भाई अहजम भी गाड़ी से चल रहा था। पुलिस को जैसे ही इसकी जानकारी हुई। कौशाम्बी के सैनी में पुलिस ने अहजम की गाड़ियों को रोक लिया। इस दौरान पुलिस ने अहजम की गाड़ी चेक की। उससे काफिले का पीछा करने को लेकर सवाल–जवाब किए।

अहजम ने बताया कि उसे भाई को जेल से लाने का पता चला था, इसलिए वह काफिले के पीछे–पीछे चल रहा था। पुलिस ने उसे काफिले के पीछे–पीछे चलने से मना किया। अली को प्रयागराज कोर्ट लाने के कार्यक्रम को पुलिस ने इतना गोपनीय रखा कि किसी को इसकी खबर तक नहीं हुई। अतीक का गुर्गा असाद कालिया को भी इसी मामले में कोर्ट में पेश किया गया।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अली की एडीजे कोर्ट में हुई पेशी

अली अहमद को धमकी, रंगदारी और जान से मारने की कोशिश के मामले में एडीजे कोर्ट में पेश किया गया। उसके कड़ी सुरक्षा में झांसी जेल से लाकर जिला अदालत में पेश किया गया। जिला अदालत में पेशी के दौरान जिला न्यायालय के आसपास उसके समर्थकों की काफी भीड़ इकट्ठा रही। इस दौरान काफी फोर्स भी तैनात रही।

पिछली नियुक्ति रद्द होने की बात छिपाना सेवा से बर्खास्तगी का आधार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुरानी नियुक्ति रद्द होने की जानकारी न देना सेवा समाप्ति का आधार नहीं हो सकता। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने संतकबीरनगर के बीएसए की ओर से जारी सहायक अध्यापक अनिल कुमार की सेवा समाप्ति के आदेश को अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पुरानी नियुक्ति रद्द होने की जानकारी न देना सेवा समाप्ति का आधार नहीं हो सकता। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने संतकबीरनगर के बीएसए की ओर से जारी सहायक अध्यापक अनिल कुमार की सेवा समाप्ति के आदेश को अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने दिया है। अनिल कुमार 2015 में अध्यापक के पद पर नियुक्त हुए थे। 2018 में शिकायत पर जांच की गई तो उनकी स्पेशल बीटीसी भर्ती में बीएड की डिग्री फर्जी पाई गई थी। इसके चलते 2010 में उनकी वह नियुक्ति रद्द कर दी गई थी और एफआईआर दर्ज की गई थी। विभाग ने इस तथ्य को छिपाने का आरोप लगा 20 अप्रैल 2019 को उनकी मौजूदा सेवा समाप्त कर दी थी, जिसे याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि 2015 की भर्ती में लगाए गए सभी शैक्षणिक दस्तावेज पूरी तरह से असली और जांच में सही पाए गए हैं। पुरानी नियुक्ति का रद्द होना कोई आधिकारिक बर्खास्तगी नहीं थी। इसके अलावा आवेदन पत्र में पुरानी नियुक्ति रद्द होने या आपराधिक मामले का ब्योरा देने के लिए कोई स्पष्ट कॉलम भी नहीं था। इसलिए यह नहीं का जा सकता कि याची ने जानकारी छुपाई।

कोर्ट ने कहा– आवेदन में स्पष्ट रूप जानकारी नहीं मांगी गई तो तथ्य छिपाने का आरोप सिद्ध नहीं होता

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद माना कि नियुक्ति रद्द किए जाने को सेवा से बर्खास्तगी के बराबर नहीं माना जा सकता। ऐसे में कोर्ट ने सर्वोच्च अदालत के अवतार सिंह बनाम भारत संघ फैसले का हवाला दिया। कहा कि जब तक आवेदन में किसी जानकारी को स्पष्ट रूप से नहीं मांगा गया हो, तब तक अभ्यर्थी पर तथ्य छिपाने का आरोप सिद्ध नहीं होता। कोर्ट ने कहा कि वर्तमान नियुक्ति पूरी तरह से वैध शैक्षणिक योग्यताओं पर आधारित है और पुरानी घटना का मौजूदा चयन से कोई सीधा संबंध नहीं है। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने 2019 के बर्खास्तगी आदेश को रद्द कर दिया।

प्रतियोगी छात्र की मौत से बढ़ा तनाव, धरनास्थल खाली

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर जारी प्रतियोगी छात्रों के अनशन के दौरान एक छात्र की मौत की खबर सामने आने के बाद तनाव बढ़ गया है। रविवार शाम आंदोलनकारी छात्रों ने धरनास्थल पर छात्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके कुछ देर बाद ही धरनास्थल खाली हो गया। छात्रों का आरोप है कि पुलिस ने बलपूर्वक धरना स्थल खाली कराया।

प्रयागराज की सलोरी डेलीगेसी में रहकर वर्ष 2016 से टीजीटी–पीजीटी की तैयारी कर जौनपुर के मूल निवासी विजय गौतम की शनिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। छोटे भाई राकेश गौतम विजय को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन आधी रात के बाद विजय का निधन हो गया। सुबह छात्रों को सूचना मिली तो धरना स्थल पर तनाव बढ़ गया।

शाम तक काफी भीड़ जुट गई और धरना स्थल पर मौजूद छात्रों ने विजय को श्रद्धांजलि अर्पित की। तनाव बढ़ने के बाद धरना स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। छात्रों का आरोप है कि पुलिस ने अनशनकारियों को स्वास्थ्य की जांच कराने के नाम पर अस्पताल ले जाने का दबाव बनाया और वहां से हटा दिया। इसके लिए धरनास्थल को पूरी तरह से खाली करा दिया गया। छात्रों ने अनुसार विजय भी धरने में शामिल होने के लिए अक्सर आया करते थे।

पुरानी नियमावली से परीक्षा कराने की मांग पर आंदोलन

प्रतियोगी छात्र पुरानी नियमावली से टीजीटी–पीजीटी परीक्षा कराने की मांग को लेकर 11 जून 2026 से धरना दे रहे हैं और 31 अगस्त से छात्रों ने अनशन भी शुरू कर दिया। पिछले हफ्ते पुलिस ने आधी रात के बाद छात्रों को धरना स्थल से हटा दिया था लेकिन कुछ दिनों बाद फिर धरना व अनशन शुरू हो गया। अपनी मांग को लेकर छात्र कई बार उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में भी धरना दे चुके हैं। कुछ दिनों पहले नई नियमावली से शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी होने के बाद छात्रों का आक्रोश फिर बढ़ गया है।

अंग्रेजी विषय से शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे थे विजय

छात्रों का कहना है कि विजय कुमार वर्ष 2016 से अंग्रेजी विषय से शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे थे। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल ने दावा किया कि परीक्षा संबंधी मानसिक दबाव से विजय की तबीयत रात के वक्त कमरे में अचानक बिगड़ी। उन्हें ब्रेन हैमरेज हुआ था जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, अन्य अभ्यर्थियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की भर्ती प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं। सामान्य अध्ययन का अतिरिक्त भार जोड़ दिया गया है। विषयवार परीक्षा व्यवस्था में भी बदलाव हुए हैं। इससे लंबे समय से तैयारी कर रहे छात्रों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिनमें जौनपुर के सुजानगंज निवासी विजय गौतम भी शामिल थे।

युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया गया कि विजय गौतम की अंत्येष्टि प्रयागराज में रविवार को हुई। अनिल सिंह के अनुसार विजय का छोटा भाई राकेश गौतम सलोरी में साथ रहता था। विजय की मौत की सूचना मिलने पर माता–पिता व चाचा प्रयागराज आए और यहीं अंतिम संस्कार किया। अनिल सिंह ने बताया कि 42 वर्षीय विजय गौतम अविवाहित थे।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों को धरना स्थल से पुलिस ने हटाया नहीं है। छात्र अपनी मर्जी से रोजाना की तरह धरना स्थल से गए हैं। –विद्युत गोयल, एसीपी सिविल लाइंस

एक साथ उठी बाप-बेटे की अर्थी, गांव में मातम

प्रयागराज। सड़क हादसे में जवान बेटे की मौत के सदमे में पिता की मौत की घटना के दूसरे दिन भी दाउदपुर नेवादा गांव में सन्नाटा पसरा रहा। रविवार को एक साथ बाप–बेटे की अर्थी उठता देख गांव में मातम पसर गया। इस दौरान गांव में शोक सभा हुई। उन्होंने तेज रफ्तार वाहनों पर रोक लगाने की मांग की। दाऊदपुर नेवादा निवासी शिवम यादव उर्फ सोनू (28) शनिवार रात करीब आठ बजे सधनगंज से बाइक से लौट रहे थे। सधनगंज–कोहरान के पास सामने से आई तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। निजी अस्पताल में रात 10 बजे उनकी मौत हो गई थी। बेटे की मौत की खबर सुनकर पिता राम सिंह (60) को दिल का दौरा पड़ा और उन्होंने भी घर में ही दम तोड़ दिया। रविवार को जब पिता–पुत्र के शव गांव पहुंचा मातम पसर गया। शाम को रसूलाबाद घाट पर एक साथ दोनों की चिता जली तो हर आंख नम हो गई। परिजनों के मुताबिक, राम सिंह सोरांव तहसील के सामने नाश्ते की दुकान चलाते थे। शिवम भी पिता के साथ दुकान पर हाथ बंटाता था। परिवार में बूढ़ी मां मीना, बहन गुड़ान और मोनू यादव हैं। ग्रामीणों काने सड़क पर स्पीड ब्रेकर और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। वहीं, सोरांव पुलिस ने राम बहादुर पुत्र पुरुषोत्तम की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक दीन दयाल सिंह ने बताया कि हादसे के बाद कार पलट गई थी, चालक भाग गया। कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

हिंदी पखवाड़ा महोत्सव 2026 के अंतर्गत स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा महोत्सव 2026 के अंतर्गत दिनांक 21 सितंबर 2026 को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय "हिंदी के शब्द, नशामुक्ति का संकल्प" रखा गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं जागरूकता उत्पन्न करने के साथ–साथ नशामुक्ति के प्रति सामाजिक चेतना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के समन्वयक हिंदी विभाग के अध्यक्ष, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह सर रहे।प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अलका मिश्रा एवं डॉ. अजीत सिंह तथा सह–संयोजक डॉ. बबलू यादव रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरभी तिवारी, शोधार्थी, हिंदी विभाग द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा हिंदी भाषा के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने वाले रचनात्मक एवं प्रभावशाली स्लोगन प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम स्थान तृषा द्विवेदी तथा द्वितीय स्थान सत्या प्रजापति को प्राप्त हुआ। वहीं तृतीय स्थान आकाश सिंह एवं कृष्णा केशरवानी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अमित यादव, कोमल यादव, प्रियंका तिवारी, मनीष यादव, सुमन लता एवं किसलय सिंह सहित अन्य शोधार्थी उपस्थित रहे। सभी ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हिंदी भाषा और नशामुक्ति के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में अमित यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी के सहयोग की सराहना की। इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति अनुराग, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा नशामुक्त समाज के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दिशा में एक सार्थक एवं प्रेरणादायी आयोजन रहा।

'नीलकमल खिल गया' का विमोचन 26 सितंबर को

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ कथाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी श्रेमश की दसवीं कृति 'नीलकमल खिल गया' लघु कथा संग्रह का विमोचन पं. अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात' (प्रबंधक इंटर कॉलेजेज एवं महामंत्री, जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रतापगढ़) के आवास त्रिपाठी निकेतन, सदर बाजार में आगामी 26 सितंबर को दोपहर 12 बजे से होगा। कार्यक्रम आयोजक अखिल नारायण

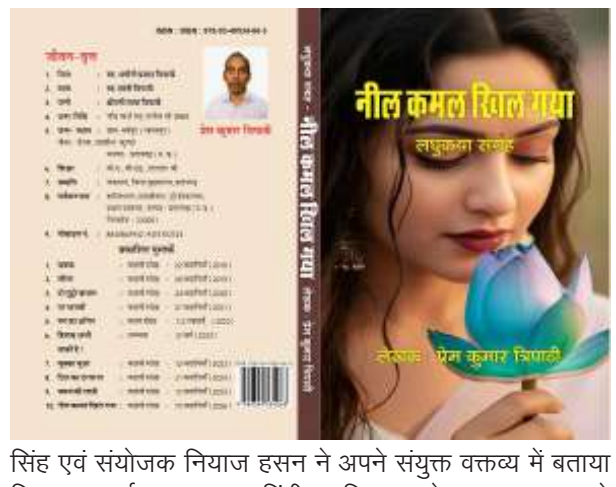

सिंह एवं संयोजक नियाज हसन ने अपने संयुक्त वक्तव्य में बताया कि यह कार्यक्रम जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। मालूम हो कि अमर कथाकार मुंशी प्रेमचंद का वास्तविक लेखन जनपद प्रतापगढ़ में रहने के दौरान ही आरंभ हुआ था। प्रेम कुमार, मुंशी प्रेमचंद की विरासत को संभालते हुए अब तक 150 से अधिक दीर्घ कथाएं एवं 75 लघु कथाएँ लिख चुके हैं। उपन्यास और काव्य पर भी उनकी लेखनी चली है। सबक, लीला, दो मुट्ठी चावल, घर वापसी, मन का आंगन, हिसाब अभी बाकी है, बुक्का बुआ, दिल का दरवाजा, समय की लाठी के बाद 'नीलकमल खिल गया' उनकी दसवीं कृति है। प्रेम कुमार दशकों से कहानियों के माध्यम से जनमानस को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। उनकी कहानियों में यथार्थवादिता एवं समाज का दर्द झलकता है।

पर्यटन महानिदेशक से महासचिव समाज शेखर ने की मुलाकात

भयहरणनाथ धाम सहित जनपद के पौराणिक स्थलों के समग्र पर्यटन विकास का मिला आश्वासन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने रविवार को हिंदुस्तानी

अकादमी प्रयागराज में प्रदेश के पर्यटन महानिदेशक डॉ वेद पति मिश्र (आई ए एस) से मुलाकात की द्य उनके द्वारा जनपद प्रतापगढ़ के रामायण व महाभारत कालीन पौराणिक स्थलों के पर्यटन विकास की माँग की गई द्य डीजी पर्यटन ने महासचिव को आश्वस्त किया कि प्राचीन महत्वपूर्ण व पौराणिक स्थलों का सर्वांगीण विकास कर स्थानीय समाज को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने भयहरणनाथ धाम के महत्व व वर्तमान प्रगति से अवगत कराया द्य जिस पर उन्होंने समाज शेखर को आश्वस्त किया कि भयहरणनाथ धाम के समग्र विकास हेतु जरूरी ठोस योजना बनाई जायेगी और प्रयागराज के माघ मेला व कुम्भ से भी जोड़ने कर ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने पर समुचित विचार होगा। इस अवसर प्रो राजेंद्र सिंह रज्जु भैया राज्य विश्व विद्यालय के डॉ पीयूष मिश्र, दैनिक शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

भारतीय संस्कृत नाट्य परम्परा विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का होगा आयोजन

चन्द्रबदनी (नैखरी), टिहरी गढ़वाल। उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थानम्, हरिद्वार एवं श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, चन्द्रबदनी (नैखरी) के संयुक्त तत्त्वावधान में "संस्कृतमास–महोत्सव" टिहरी गढवाल जनपद के अन्तर्गत "भारतीय–संस्कृत–नाट्यपरम्परा" विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी

का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 22 सितम्बर 2026, मंगलवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे आयोजित होगा। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा, उसके ऐतिहासिक विकास, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व तथा वर्तमान सन्दर्भ में उसकी प्रासंगिकता पर विचार–विमर्श करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. हरिराम मिश्र, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं प्रो. (डॉ.) अरविन्द नारायण मिश्र, मुख्याधिष्ठाता, शिक्षा–शास्त्र विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. महन्थ मौर्य, प्रभारी निदेशक, श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, चन्द्रबदनी (नैखरी) द्वारा की जाएगी। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

विशिष्टवक्ता डॉ. शैलेन्द्र उनियाल तथा अन्य विद्वान् भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगें। कार्यक्रम के टिहरी गढवाल संयोजक डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल विभागाध्यक्ष संस्कृत हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण ळववहसम डममज के माध्यम से किया जाएगा। महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा संस्कृतसाहित्य, भारतीय संस्कृति एवं नाट्य परंपरा में रुचि रखने वाले सभी प्रतिभागियों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में जुड़ने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

प्रयागराज-तिरुचानूर सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए प्रयागराज-तिरुचानूर सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.- 04109 प्रयागराज-तिरुचानूर			गाड़ी सं.- 04110 तिरुचानूर-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	05:20 (शनि)	प्रयागराज ▲	10:35 (मंगल)	----
07:35	07:37	मानिकपुर	08:28	08:30
08:20	08:25	सतना	07:10	07:15
09:58	10:00	कटनी	06:15	06:20
10:45	10:55	जबलपुर	04:55	05:05
15:30	15:40	इटारसी	00:50 (मंगल)	01:00
21:05	21:10	नागपुर	19:35	19:40
23:56	23:59	चंद्रपुर	16:25	16:27
00:30 (रवि)	00:40	बल्हारशाह	15:50	16:00
01:20	01:22	सिरपूर कागजनगर	14:57	14:59
04:30	04:35	वरंगल	11:28	11:30
06:00	06:02	खम्मम	09:54	09:56
08:30	08:40	विजयवाड़ा	07:10	07:20
11:13	11:15	ओंगोल	01:58	02:00
12:48	12:50	नेल्लूर	02:28	02:30
15:10	15:20	रेणिगुंटा	00:05 (सोम)	00:15
16:10 (रवि)	----	▼ तिरुचानूर	----	23:55 (रवि)

प्रयागराज सेः- गाड़ी संख्या 04109, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 03.10.2026 से 28.11.2026 तक। **तिरुचानूर सेः-** गाड़ी संख्या 04110, प्रत्येक रविवार, दिनांक 04.10.2026 से 29.11.2026 तक। **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर- 08 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05

उपरोक्त के अतिरिक्त गाड़ी संख्या 04121/04122 प्रयागराज-चर्लपल्ली को पूर्व में अमृत भारत सुपरफास्ट के रूप में सूचित किया गया था अब इसे गाड़ी संख्या 04121/04122 प्रयागराज-चर्लपल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी के रूप में पढ़ा जाय। साथ ही यह विशेष रेलगाड़ी अमृत भारत रेक से चलायी जायेगी।

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2148/26(A)

सेंट जोसेफ्स ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन का द्वितीय इंटर-हाउस फुटबॉल टूर्नामेंट उत्साह और खेल भावना के साथ सम्पन्न

प्रयागराज। सेंट जोसेफ्स कॉलेज, प्रयागराज के ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन (व्ठ।) द्वारा पूर्व जोसेफाइट्स के बीच आयोजित द्वितीय इंटर–हाउस फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार, 20 सितंबर 2026 को भव्य समापन हुआ। 6, 13 और 20 सितंबर को सेंट जोसेफ्स कॉलेज के फुटबॉल मैदान पर खेले गए रोमांचक लीग एवं नॉकआउट मुकाबलों के बाद टूर्नामेंट का समापन हुआ।

समापन दिवस की शुरुआत सीनियर वर्ग की रेड एलाइट्स और ब्लू आइकॉन्स टीमों के बीच पेनल्टी शूटआउट से हुई। दोनों टीमें अंकों तथा गोल किए और गोल गंवाए जाने के आंकड़ों में पूरी तरह बराबरी पर थीं और सीनियर फाइनल में स्थान बनाने के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। रोमांचक शूटआउट में ब्लू आइकॉन्स ने फाइनल में प्रवेश किया। ब्लू आइकॉन्स की ओर से आशीष एलन रॉबट्र्स ने एकमात्र सफल पेनल्टी गोल किया।

इसके बाद जूनियर वर्ग का तीसरे स्थान का मुकाबला निर्धारित था, जिसमें ग्रीन चौलेंजर्स को वॉकओवर के माध्यम से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सीनियर वर्ग के तीसरे स्थान के मुकाबले में गोल्डन हेरिटेज और रेड राइडर्स आमने–सामने थे। इस मुकाबले में रेड राइडर्स ने 2–0 से जीत दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल किया। रेड राइडर्स की ओर से विशाल पुरी और मलय प्रसाद ने गोल किए।

इसके बाद जूनियर वर्ग का फाइनल रेड राइडर्स और ब्लू एस्पिरेंट्स, क्रमशः जूनियर रेड हाउस और ब्लू हाउस का प्रतिनिधित्व करते हुए, के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमें 1–1 की बराबरी पर रहीं। रेड राइडर्स की ओर से नारायण तथा ब्लू एस्पिरेंट्स की ओर से अमित सिंह ने गोल किए। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में ब्लू एस्पिरेंट्स ने जीत दर्ज करते हुए जूनियर वर्ग का खिताब अपने नाम किया। ब्लू एस्पिरेंट्स के अमित सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

बहुप्रतीक्षित सीनियर फाइनल ग्रीन स्टालवर्ट्स और ब्लू आइकॉन्स के बीच खेला गया। कड़े और रोमांचक मुकाबले के बाद दोनों टीमें

निर्धारित समय में बराबरी पर रहीं और पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। पेनल्टी शूटआउट में ग्रीन स्टालवर्ट्स ने जीत दर्ज कर सीनियर वर्ग की चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेंट जोसेफ्स कॉलेज के सेवानिवृत्त शिक्षक श्री शिवाजी श्रीवास्तव थे। श्री श्रीवास्तव ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाले कई पूर्व छात्रों को पढ़ाया है। उन्होंने संस्थान से जुड़ी अपनी स्मृतियां साझा करते हुए सेंट जोसेफ्स कॉलेज और उसके पूर्व छात्रों के बीच कायम मजबूत रिश्ते को रेखांकित किया। उन्होंने खेल और आपसी सौहार्द के माध्यम से जोसेफाइट्स को एक साथ लाने की व्ठ। की पहल की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि रेवरेन्ड फादर वाल्टर डी'सिल्वा, प्रधानाचार्य, सेंट जोसेफ्स कॉलेज, ने भी सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई दी और पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्रदर्शित सौहार्द, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना की।

जूनियर वर्ग का गोल्डन बूट पुरस्कार संयुक्त रूप से रेड राइडर्स के साकिब मुख्तार और ब्लू एस्पिरेंट्स के शशांक पांडे को प्रदान किया गया। जूनियर वर्ग का गोल्डन ग्लव्स पुरस्कार ब्लू एस्पिरेंट्स के हुमायूं रहमान को मिला। सीनियर वर्ग में यह पुरस्कार ग्रीन स्टालवर्ट्स के अंकित देवड़ा ने हासिल किया।

जूनियर वर्ग में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार ब्लू एस्पिरेंट्स के डॉ. सिद्धार्थ सिंह को, जबकि सीनियर वर्ग में यह सम्मान रेड राइडर्स के विशाल पुरी को प्रदान किया गया।

टूर्नामेंट के सफल आयोजन में व्ठ। के कई सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से इवेंट चेयरमैन श्री ओसामा कमर सिद्दीकी की सराहना की गई, जिन्होंने टूर्नामेंट की योजना और आयोजन में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाई तथा पूरे आयोजन से निकटता से जुड़े रहे।

टूर्नामेंट के सफल संचालन में स्पोर्ट्स कन्वीनर्स श्री आसिफ कमाल और श्री अंकित देवड़ा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके साथ स्पोर्ट्स कमेटी के डॉ. तुषार लूथरा, डॉ. उमर हसन, राजेश किडर, मनीष मेहरोत्रा और विभोर प्रसाद राणा ने भी आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सक्रिय सहयोग दिया।

व्ठ। ने अपने अध्यक्ष डॉ. प्रोबल नियोगी, संयुक्त सचिव श्री अक्षत कपूर, तथा कोर कमेटी सदस्यों जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और सुश्री ज्योति दुबे के बहुमूल्य सहयोग की भी सराहना की। समापन दिवस की संपूर्ण कार्यवाही का समन्वय आर्किटेक्ट पियूष टंडन, मानद सचिव (Honorary Secretary), ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन, सेंट जोसेफस कॉलेज, प्रयागराज द्वारा किया गया। यह टूर्नामेंट उनकी परिकल्पना और पहल का परिणाम था।

टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों के पूर्व जोसेफाइट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने पूर्व छात्रों को अपने अल्मा मेटर से दोबारा जुड़ने, पुरानी मित्रता को पुनर्जीवित करने और फुटबॉल के प्रति अपने साझा जुनून को साथ मिलकर जीने का अवसर प्रदान किया। टूर्नामेंट में चार दशकों के 85 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

व्ठ। ने सेंट जोसेफ्स कॉलेज, सभी प्रतिभागी टीमों, मैच अधिकारियों, स्वयंसेवकों, समर्थकों तथा आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस प्रकार सेंट जोसेफ्स कॉलेज का द्वितीय इंटर–हाउस फुटबॉल टूर्नामेंट एक यादगार आयोजन के रूप में सम्पन्न हुआकृजहाँ जीत और हार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहा जोसेफाइट भावना, मित्रता, सौहार्द और एकजुटता का उत्सव।

सद्भावना मंच का शब्द साधना समारोह एवं विराट कवि सम्मेलन संपन्न

कवि–लेखक समय के प्रतिध्वनि तथा भविष्य के मार्गदर्शकः डॉ. सुशील सिन्हा

प्रयागराज।सद्भावना मंच प्रयागराज द्वारा नीमसंराय कॉलोनी,मुंडेरा स्थित राजगार्डन में शब्द–साधना सम्मान–समारोह एवं सद्भावना–कविसम्मेलन का आयोजन न्यायमूर्ति सुधीर नारायण की अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वहिन्दू परिषद काशी–प्रांत के अध्यक्ष के पी सिंह ने दीप–प्रज्ज्वलित कर किया व भव्य आयोजन की प्रशंसा की। संस्था अध्यक्ष डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु ने पुष्पहार,अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह से अतिथिगण का स्वागत किया।स्वागताध्यक्ष नगर के प्रतिष्ठित–वरिष्ठ चिकित्सक डा. सुशील कुमार सिन्हा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कवि–लेखक समय की प्रतिध्वनि और भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं जिनसे प्रेरणा लेकर देश–समाज सही दिशा की ओर अग्रसर होता है। सद्भावना के उपाध्यक्ष एवं प्रचार–प्रसार संयोजक कवि–चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता,सभासद दीपिका सिंह पटेल, डा. पीयूष दीक्षित,श्री श्री दुर्गापूजा अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह,मां वैष्णो रामकथा अध्यक्ष विनोद

कुमार पांडेय,ओमप्रकाश गौतम, चन्द्रसेन शर्मा,मंडी अध्यक्ष सतीश कुशवाहा, निरंकार त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण मिश्रा सहित क्षेत्र के अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

कविसम्मेलन का शुभारंभ प्रीता बाजपेई की सरस्वती वंदना से हुआ तत्पश्चात कविगण राकेश मालवीय,शरत चन्द्र श्रीवास्तव, योगेंद्र मिश्र,शम्भू नाथ श्रीवास्तव,रवीन्द्र कुशवाहा, आनन्द श्रीवास्तव,संगीता श्रीवास्तव,मंजूलता नागेश, ब्रह्माणी तिवारी, विजयलक्ष्मी विभा,रश्मि राधे,ललिता पाठक,जगदीश कौर, मिली श्रीवास्तव, योगमाया, श्रीरंग, मनमोहन सिंह तन्हा, सुनील विक्रम सिंह, डा. अजय मालवीय, उपेन्द्र पांडेय,एचएन पांडेय,आरवी सिंह पथिक,रोहित तिवारी,डा. विन्ध्यवासिनी शुक्ल,गुप्तेश्वर पाण्डेय,शैलेन्द्र जय, डा. संतोष पाण्डेय, डा. रामलखन चौरिसिया, मधुबाला गौतम, पूर्णिमा पांडेय,ऋचा त्रिपाठी,श्रीराम तिवारी सहज,कैलाश पाल प्रयागी, रजनीश राय, धीरेन्द्र सिंह नागा,अनुभव कुमार,श्याम फतनपुरी, सोमनाथ शुक्ल,कपिल जायसवाल, विपिन दिलकश,राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल,प्रियंवदा शुक्ला आदि सत्तावन कविगण द्वारा काव्य–पाठ से श्रोता झूम उठे तथा सभी कवियों को पुष्पहार–अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। महामंत्री शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया, कोषाध्यक्ष रेखा तिवारी ने कार्यक्रम की व्यवस्थायें सुनिश्चित कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु ने किया।

बॉन्डेड डॉक्टरों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेरा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में सोमवार को बॉन्डेड डॉक्टरों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। डॉक्टरों ने वेतन में असमानता के विरोध में प्रदर्शन किया। डॉक्टरों ने कहा कि 2 सितंबर को डिप्टी सीएम ने बारिश में भीगते हुए उनकी मांगें पूरी करने का वादा किया था। इसके 19 दिन बाद भी मांगें पूरी नहीं हुई हैं। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि वे प्रदेश के अलग–अलग जिलों से बार–बार लखनऊ आ रहे हैं। आज भी डिप्टी सीएम को उनका वादा याद दिलाने आए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सभी के पास समान डठठै डिग्री और बॉन्ड है। सेवा भी समान है, लेकिन वेतन अलग–अलग दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के सीएचसी, पीएचसी और दूसरे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में तैनात डॉक्टरों को करीब 50 से 55 हजार रुपए महीने मानदेय मिल रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं : 8120262027 | दिनांक : 19.09.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 13.10.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्रम सं : 1	निविदा नं : 172
कार्यों का विवरण : (क) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत एन.सी.सी. में 150 मीटर की सीमेन्ट की सीमा दीवार, कांटेदार तार की बाड़ और कचरा डालने की जगह का नवीनीकरण का कार्य। (ख) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत एन.सी.सी./ कानपुर में ट्रकों और अन्य वाहनों के लिए भंडार और गैराज की सुविधा का कार्य। (ग) सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय/कानपुर के अन्तर्गत एन.सी.सी./कानपुर की सिक लाइन शेड को दिल्ली की ओर 30 मीटर बढ़ाना और एक वंदे भारत कोच की लंबाई का एक परीक्षण गढ्ढा बनाने का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (₹) : 3,22,79,158.10	बयाने की रकम (₹) : 6,45,600.00
कार्य समापन की अवधि : 12 माह	निविदा खुलने की तिथि : 13.10.2026
इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कोई भी स्ट्रक्चरल स्टील फैब्रिकेशन का कार्य।	
क्रम सं : 2	निविदा नं : 173
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल अभियन्ता/लाईन/कानपुर के अन्तर्गत कानपुर-रूरा सेक्शन में लेवल क्रासिंग नंबर 1 (सी.पी.ए) और 82 को रबराइज्ड लेवल क्रांसिंग से सुधारने का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (₹) : 85,02,247.20	बयाने की रकम (₹) : 1,70,100.00
कार्य समापन की अवधि : 08 माह	निविदा खुलने की तिथि : 13.10.2026
इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : रोड या रेलवे लेवल क्रासिंग पर रबड़ वाली सतह की आपूर्ति और फिक्सिंग से जुड़ा कोई कार्य।	
क्रम सं : 3	निविदा नं : 174
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल अभियन्ता/लाईन/कानपुर के क्षेत्र में मंडल अभियन्ता पंथम/प्रयागराज के अन्तर्गत विभिन्न लूप लाइनों और अन्य लाइनों पर रेल की फ्लश बट (एफ.बी.) वेल्डिंग का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (₹) : 3,41,65,869.80	बयाने की रकम (₹) : 6,83,300.00
कार्य समापन की अवधि : 12 माह	निविदा खुलने की तिथि : 13.10.2026
इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : मोबाईल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ किसी भी पी.वे. कार्य में वेल्ड नवीनीकरण का कार्य शामिल हो	

नोट : 1. ऑनलाइन निविदा दिनांक 13.10.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 13.10.2026 तक उपलब्ध है। 2146/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

रिश्तों का संसार

जिसने जीवन में भरा, जीने का विज्ञान।
जाने क्यों वह ढूँढता,अपनी निज पहचान।
अपनी निज पहचान, विमल नदियों के माफिक।
जिसका मीठा नीर, कभी लगता था खालिक।
सुन लो कहें प्रदीप, जमाना देखा उसने।
हुआ तभी से मौन, बताया था यह जिसने।।

पहले पढ़िए गौर से, रिश्तों का संसार।
हँसी–ठिठोली साथ में व्यंग भरा व्यवहार।
व्यंग भरा व्यवहार, कहो मत दुख का कारण।
खुशियाँ इसमें निहित बताती सदा निवारण।
सुन लो कहें प्रदीप, बनो नहले पर दहले।
कहना अपनी बात, मगर उनकी सुन पहले।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

रेनू मिश्रा की 'अनुभूति के रंग' कहानी संग्रह का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी के गांधी सभागार में रेनू मिश्रा दीपशिखा की कहानी संग्रह अनुभूति के रंग का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महानिदेशक पर्यटन उत्तर प्रदेश सरकार डॉ. वेदपति मिश्रा उपस्थित रहे। प्रमोद शुक्ला के स्वागत भाषण के पश्चात मंचस्थ अतिथियों ने कहानी संग्रह अनुभूति के रंग का लोकार्पण किया। मुख्य अतिथि डॉ. वेदपति मिश्र ने कहा कि कहानी संग्रह में सामाजिक हित का भाव है। यह कृति सारस्वत साधना का मुखर प्रतिमान है। प्रो. रवि कुमार मिश्रा ने

कहा कि अनुभूति और अभिव्यक्ति के आधार पर यह कहानी संग्रह स्वयं का अभिव्यक्तिकरण है। इसमें विचारधारा की प्रतिध्वनि सुनाई पड़ती है। पूर्व कमिश्नर श्री जे एल पाण्डेय ने कहा कि कहानी संग्रह में प्रेरक प्रसंगों का बखूबी चित्रण है। इसमें जीवन संहिता है। डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने कहानी संग्रह को जीवन भोग के जीवंत अनुभव का यथार्थ दस्तावेज बताया। मानवीय संवेदना के सहज प्रतिदर्श इस संग्रह में दिखाई पड़ते हैं। डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने कहा कहानियों में सजीवता है। संवेदना में सक्षमता है। श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी ने कहानी संग्रह को विविध आयामों से जोड़ा। श्रीमती आशा श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, दीपक त्रिपाठी, उर्वशी उपाध्याय, वन्दना शुक्ला, दिनेश मिश्रा, रेनू मिश्रा दीपशिखा ने भी पुस्तक संबंधी अपने उद्गार प्रकट किये। भारती परिषद के महामंत्री डॉ. शीलधर मिश्र ने समारोह की अध्यक्षता की तथा रेनू मिश्रा को 51 सौ रूपए देकर सम्मानित किया।कवि डॉ. पीयूष मिश्र श्पीयूषश ने समारोह का सफल संचालन किया। लोकपाल डॉ. समाज शेखर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर दिनेश मिश्रा, महक जौनपुरी पंकज पांडे, नमन मिश्रा, प्रेमचंद वर्मा, अनुज शुक्ला, बेगम निखत वेद प्रकाश त्रिपाठी, उमेश श्रीवास्तव, नूतन मिश्रा, जया पांडेय, कामिनी शुक्ला, संदीप मिश्रा,अनुज शुक्ला,वीना मिश्रा,मनी पाठक, हर्षित दुबे,डॉ.कमलेश मिश्रा, ध्रुव शंकर, देवयानी, उर्वशी उपाध्याय इत्यादि सुधीजनों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आन्तरिक शिकायत निवारण समिति की सुदृढ़ कार्यप्रणाली संस्था हेतु अतिमहत्वपूर्ण– सर्वेश कुमार पाण्डेय

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर के पं. मदनमोहन मालवीय सभागार में छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. शान्ती चौधरी, बाह्य सदस्या, आन्तरिक शिकायत प्रकोष्ठ रहे। श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय ने लैंगिग विभेद के विरुद्ध विधिक व्यवस्था से उपस्थित जनों को अवगत कराया। अपने वक्तव्य में उन्होंने किसी भी संस्था हेतु आन्तरिक शिकायत

निवारण समिति के गठन उसकी सशक्त कार्यप्रणाली को अतिमहत्वपूर्ण बताया। लैंगिक विभेद को अतिसंवेदनशील प्रकरण बताते हुए उन्होंने कार्यक्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के अधिकारों एवं उनके संरक्षण की प्रक्रिया का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कार्यरत महिलाओं में अपने रोजगार के प्रति भय की भावना को शिकायत न करने का मुख्य कारण बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. शान्ती चौधरी ने पोर्श (च्तमअमदजपवद वि•नंस भ्तेंउमदज ।बज) एक्ट के विषय एवं उसकी कार्यप्रणाली का अत्यधिक सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने शिकायत निवारण की व्यवस्था को अत्यधिक सुदृढ़ बनाये रखने हेतु परिसर में किये गये उपायों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए इनकी सराहना की। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने पोर्श एक्ट की आवश्यकता का विशेषतरू उल्लेख करते हुए लैंगिक भेदभाव की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिन्ता व्यक्त की तथा इसे संक्रामक बीमारी सदृश बताया। परिसरीय आन्तरिक शिकायत निवारण समिति की अध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा ने परिसर में आन्तरिक शिकायत निवारण समिति की कार्यप्रणाली से छात्र–छात्राओं एवं परिसरीय सदस्यों को परिचित कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। संगोष्ठी में प्राक्शोध के छात्र–छात्राओं के साथ ही साथ डॉ. मोनाली दास, डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री राजेश कान्त तिवारी, श्री अंकित मिश्र, अश्विनी लंके, अंजू, मंजू, ज्योति, सोनाली सहित परिसरीय समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.....

हमें उस भरोसे पर खरा उतरना होगा...!

मेरे पड़ोसी ने जोश में आकर कहा, ''भारत को पांच अरब डॉलर मिल रहे हैं।'' मेरे हाथ से चाय का कप लगभग गिरते–गिरते बचा। मैंने पूछा, ''किससे? और सबसे जरूरी बात, हम इसे कब बांटेंगे?'' उन्होंने रूखेपन से कहा, ''यह तुम्हारे लिए नहीं है। अमरीकी कंपनी 'एप्लाइड मैटीरियल्स' अगले दस सालों में भारत में पांच अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है।'' मैंने कहा, ''यह तो बहुत अच्छी बात है। वह क्या बनाती है?'' ''चिप बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण।'' ''आलू के चिप्स?'' उन्होंने मुझे ऐसे देखा जैसे कोई बुजुर्ग रिश्तेदार को स्मार्टफोन चलाना सिखाते समय सब्र से देखता है। उन्होंने थककर कहा, ''कम्प्यूटर चिप्स। वे छोटी–छोटी चीजें, जो फोन, कार, मैडिकल उपकरणों, सैटेलाइट और लगभग हर आधुनिक मशीन को चलाती हैं।'' मैंने सोच–समझकर अपने फोन की ओर देखा। उस सुबह वह दो बार गिर चुका था, मेरा चेहरा पहचानने से इंकार कर रहा था और मेरे पुजारी को भेजे गए मैसेज में 'गुड मार्निंग' को 'गोट मॉर्निंग' (बकरी का शोक) में बदल दिया था। मैंने कहा, ''लगता है उसके अंदर की वह छोटी सी चीज बहुत ज्यादा काम कर रही है।'' फिर भी, यह सच में उत्साह बढ़ाने वाली खबर है। सालों से भारत अपने सबसे अच्छे दिमागों को विदेश भेजता रहा है। अब दुनिया को सिर्फ दिमाग सप्लाई करने से कहीं ज्यादा करने का मौका है। हम ऐसी प्रयोगशालाएं, फैक्टरियां और हुनर विकसित कर सकते हैं, जो उन दिमागों को यहीं कुछ नया बनाने में मदद करें। सैमीकंडक्टर चिप्स भले ही छोटी हों लेकिन उनसे जुड़ी इंडस्ट्री बहुत बड़ी है। जो देश ऐसी टैक्नोलॉजी बना सकता है और उसे सपोर्ट कर सकता है, उसे न सिर्फ पैसा और रोजगार, बल्कि आत्मविश्वास भी मिलता है। वह दूसरों की बनाई चीजें खरीदने की बजाय ऐसी चीजें बनाने की ओर बढने लगता है, जिन्हें दूसरे खरीदना चाहते हैं। मेरे पड़ोसी ने समझदारी से सिर हिलाया। उन्होंने कहा, ''इससे भारत एक बड़ा टैक्नोलॉजी सैंटर बन सकता है।'' मैंने जवाब दिया, ''बशर्ते फैक्टरी बनाने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म में सत्रह फोटोकॉपी, तीन हलफनामे और 1996 में रिटायर हुए किसी अफसर के साइन की जरूरत न हो।'' उन्होंने सिर हिलाना बंद कर दिया। सिर्फ निवेश काफी नहीं होगा। मैंने मन ही मन सोचा और साथ ही जश्न के तौर पर उन्होंने जो चाय का कप मुझे दिया, उसे खुशी–खुशी ले लिया। हमें टैलेंट के लिए काम करना, रिसर्च को आगे बढ़ाना और आइडिया को प्रोडक्ट में बदलना आसान बनाना होगा। हमें अपने युवाओं को सिर्फ टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना ही नहीं, बल्कि उसे समझना और बनाना भी सिखाना होगा। सबसे जरूरी बात, हमें वफादारी की बजाय काबिलियत, लकीर का फकीर बनने की बजाय जिज्ञासा और आज्ञाकारी होने के बजाय इनोवेशन को बढ़ावा देना होगा। एप्लाइड मैटेरियल्स भारत पर पांच अरब डॉलर का भरोसा जता रहा है। हमें कुशलता, शिक्षा और ईमानदारी के साथ उस भरोसे पर खरा उतरना होगा। बहुत समय से हम यह शिकायत करते रहे हैं कि दुनिया हमारी महानता को नहीं पहचानती। अब शायद हम उस सोच को छोड़कर, उसे एक मशीन में लगा सकते हैं और भारतीय टैलेंट को दुनिया को यह दिखाने का मौका दे सकते हैं कि वह क्या कर सकता है...!

राही मासूम रज़ा, रह रह कर याद आने वाले क़लमकार

उर्दू हिन्दी की अदबी दुनिया में राही मासूम रज़ा की शख़्सियत एक हमाजेहत शाख़्सियत है और उनका नाम एक मारूफ़ो महबूब नाम है। उनकी अदबी ज़िंदगी के कुछ शुरुआती बरस इलाहाबाद में गुज़रे। इलाहाबाद उस वक़्त अदबी लिहाज़ से,और ख़ास तौर पर तरक़्क़ी पसंदी के रुख़ से शानदार तौर पर आबाद था,तरक़्क़ी पसंद तहरीक की पहली निशस्त इलाहाबाद में सज्जाद ज़हीर के मकान पर हुई थी। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के सद्र शोबा ए उर्दू डाक्टर एजाज़ हुसैन सज्जाद ज़हीर के शरीके कार थे,उस निशस्त में जोश भी शरीक हुए थे।डाक्टर एजाज़ हुसैन शख़्सियत साज़ शख़्सियत थे और अपने दौलत कदे ष्नशेमनष के थर्सडे क्लब में आने वाले दौर की शख़्सियतें ढाला करते थे। इलाहाबाद आने के बाद राही मासूम रज़ा को एजाज़ साहिब की शफ़क़तें नसीब हुईं।

वह ज़माना निकहत पब्लिकेशन के उरूज का ज़माना था और सारी दुनिया में जासूसी दुनिया का तूती बोल रहा था। निकहत पब्लिकेशन के बानी ओ मालिक अब्बास हुसैनी साहिब मर्दुम शिनास और जौहर पसंद आँखे रखते थे। उनकी फ़िल्मी दुनिया में ख़ासी पकड़ थी,कैफ़ी आज़मी के मद्रसा से फ़िल्मी दुनिया तक उन्होंने ही पहुँचाया था। डाक्टर एजाज़ हुसैन ही की तरह राही मासूम रज़ा को अब्बास हुसैनी की जौहर शिनास निगाहों ने भी मंज़ूरे नज़र किया।

निकहत पब्लिकेशन और रूमानी दुनिया का त्आरुफ़ शकील जमाली और प्रोफ़ेसर मुजाविर हुसैन,साबिक़ सद्र शोबा ए उर्दू हैदराबाद यूनिवर्सिटी के बग़ैर मुकम्मल नहीं होता। मुजाविर साहिब को ख़ुदा हयात दे वह अगर बताते तो राही मासूम रज़ा को बुनियादन तफ़सील से बता सकते थे। शकील जमाली और मुजाविर हुसैन साहिब उस दौर में इलाहाबाद की महबूब शख़्सियतों में सरे फेहरिस्त थे,राही मासूम रज़ा से दोनों के रवाबित थे।

कोल्हान टोला में डाक्टर मुस्तफ़ा के अहाते में रहने वाले शाइर अनवर कमाल के वालिद अख़्तर साहिब का घर भी कुछ दिन राही मासूम रज़ा की रिहाइश रहा और वह दायरा शाह अजमल में अजमल में भी रहे।अख़्तर साहिब राही को लिखने के लिए ढेरों एक तरफ़ किताबत शुदा इस्तेमाली दफ़्तरी काग़ज़ दिया करते थे। उस वक़्त इब्ने सफ़ी तो इलाहाबाद में थे ही साथ में वह दोर फ़िराक़ का भी दौर था। मजाज़,साहिर वाक़फ़ि रायबरेलवी वग़ैरह की बराबर इलाहाबाद आमद ओ रफ़्त रहा करती थी। उस वक़्त राही मासूम रज़ा अलग अलग नामों से उर्दू हिन्दी अदब पारे तख़्लीक़ किया करते थे।ग़रज़ कि इलाहाबाद में मोतबर तरीन शख़्सियतों के दरमियान राही मासूम रज़ा की शख़्सियत ढली,बड़ी हुई,फिर नुमायाँ और नुमूदार होती गयी।

आम तौर पर राही मासूम रज़ा पर जो गुफ़्तगू होती है वह नस्र ही के हवाले से होती है जब कि वह कमाल के शाइर भी थे। उन्हें एक ही रुख़ से जानने की दौड़ कहीं न कहीं जाने अंजाने उनके दूसरे ज़ाविये के साथ ज़ियादती है। उनकी शख़्सियत नस्र ओ नज़्म का मजमूआ है और मुझे यहाँ यह कहने की ज़रूरत है कि उनकी नज़्म ने उनकी नस्र को जमील और उनकी नस्र ने उनकी नज़्म हसीन किया। इस तहरीर में मुझे राही के शेरी अदब से ज़ियादा सरोकार है,जो कि मौज़ूअ कुशाई के लिए मालूमात पर मुबनी सरसरी तज़किरा है, बाकायदा तौर पर कोई तजज़िया, तब्सेरा या तहक़ीक़ नहीं।

राही मासूम रज़ा के भाई मूनिस रज़ा बहुत पक्के कम्युनिस्ट थे और मासूम रज़ा उनके बाद तरक़्क़ी पसंदी के असर में कम्युनिज़्म से वाबस्ता हुए थे। शेरी अदब के हवाले से अगर बात की जाये तो राही की शायरी का ख़मीर तरक़्क़ी पसंदी के बावजूद क्लासिकी है,उनके यहाँ हुस्न जमाल,इश्क़ रूमान,हिज्र वेसाल के मज़ामीन हैं मगर यह मज़ामीन उनकी शायरी का कुल्लिया नहीं हैं। उनकी शायरी माज़ी ओ हाल,अस्र ओ मसाएल,तब्दीली ओ तग़य्युर,शिकवा ओ सवाल की भी शायरी है। नये मौज़ूआत के साथ उनके यहाँ जो लफ़्ज़ों को बरतने का नयापन,लहजे की जो रविश है,जो इमकान ख़ेज़ी और उम्मीद पसंदी है वह उन्हें तरक़्क़ी पसंद करती हैं मगर उन्हें रिवायत की बुनियाद से हटाती नहीं।

एक बहुत पुर कैफ़ियत शेर में राही मासूम रज़ा अस्र और हालात के दरमियान ज़िंदगी की पुर हौसलगी बयान करते हुए कहते हैं..

ज़ख़्म जब भी कोई,ज़ेह्नो दिल पर लगा, ज़िंदगी की तरफ़,इक दरीचा खुला

हम भी गोया किसी,साज़ का तार थे,चोट खाते रहे गुनगुनाते रहे।

इस शेर में ष्गोयाष का जो पुरकार लफ़्ज़ है उस लफ़्ज़ के मुआनी में ष्जैसेष से के साथ साथ ष्बोलते हुएष का बांकपन भी बोलता हुआ महसूस किया जा सकता है।

ग़ालिब के यहाँ यही मज़मून ज़रा दूसरे तैश और तेवर के साथ अपनी मौजूदगी दर्ज करता है..

पुर हूँ मैं शिकवे से यूँ राग से जैसे बाजा

इक ज़रा छेड़िये फिर देखिए क्या होता है

ग़ैर तो ग़ैर होते हैं,उनसे किसी को अपनेपन की तवक़्क़ो नहीं होती। इंसान को रंज ग़ैरों से नहीं अपनों और जान पहचान वालों के रवय्ये से पहुंचता है।राही के यहाँ एक ग़ज़ल में बहुत ही पुर एहसास और बहुत हस्सास कर देने वाला शेर अपनी तमाम असर अंगेज़ी के साथ मौजूद है..

कौन ये जाने दीवाने पर कैसी सख़्त गुज़रती है

आपस में कुछ कह कर हँसते हैं जाने पहचाने लोग

माज़ी और हाल के दरमियान आये हालात के फ़र्क़ को फ़िक्रे मुआश से मरबूत कर के इस शेर को अगर महसूस किया जाये तो इस शेर में पोशीदा कर्ब और ज़ियादा महसूस हो सकता है। यह शेर कुछ कुछ मीर के उन अशआर से अपना फ़िकरी शजरे जोड़ते हुए मालूम होता है जिस में मीर कहते हैं.

.

क्या बूदो बाश पूछो हो पूरब के साकिनो

हमको ग़रीब जान के हंस हंस पुकार कर

दिल्ली जो एक शह्र था आलम में इंतेख़ाब

रहते थे मुंतख़बि ही जहाँ रोज़गार के

उसको फ़लक ने लूट के वीरान कर दिया

हम रहने वाले हैं उसी उजड़े दयार के

बेहिस हो चुके हिर्स ओ हसद गिरफ़्ता इंसानों के बीच बढ़ते फ़ासले और बेत्अल्लुक़ी के सबब रिश्तों को जब सॉस ले पाना दूभर हो और मरासिम को जीने के लाले पड़ जायें, जब एहसास की शिद्दत हस्सास दिलों का जिगर चबाने लगे तो ग़ालिब को मक़ते में ख़बरदार पड़ता है...

यूँ ही गर रोता रहा ग़ालिब तो ऐ अहले जहाँ

देखना इन बस्तियों को तुम कि वीराँ हो गयीं

मगर ग़ालिब के ख़बरदार करने के बावजूद यह दुनिया राही मासूम रज़ा के महसूसात तक पहुँचते पहुँचते और भी बेहिस हुई और इस हौलनाक हद तक बेहिस हुई कि बस्ती की बेहिसी से आजिज़ आ कर किसी को सहरा आबाद करने की ज़रूरत ओ ज़हमत न रही,तग़य्युरे ज़माना ने इंसानों की बस्ती को सहरा कर दिया। आख़िर कार राही को यह कहने की ज़रूरत पड़ी...

बे–हिस दीवारों का जंगल काफ़ी है वहशत के लिए

अब क्यूँ हम सहरा को जाएँ अब वैसे हालात कहाँ

और फिर बस्ती के सहरा हो जाने के इसी मज़मून को एक दूसरे रुख़ से नज़्म करते..

इस बयाबाने–दर–ओ–बाम में क्या रक्खा है

हम ही दीवाने हैं सहरा से चले आए हैं

सवाल मसअला नहीं मसाएल के हल का रास्ता होते हैं, शिकवा रिश्ते को बचा लेने की फ़रियाद का नाम है। सवाल और शिकवे कुछ तवक़्क़ो और उम्मीद के बचे होने का पता देते हैं। राही मासूम रज़ा एक पुर शिकवा सवाल को बड़ी नर्मी के साथ ग़ज़ल का शेर करते हैं...

सवाल कर दिया तिश्ना–लबी ने सागर से

मिरी तलब से तिरा इतना फ़ासला क्यूँ है

वर्ना इस से आगे की मंज़िल पर ग़ालिब कह चुके थे कि

जब तवक़्क़ो ही उठ गयी ग़ालिब

क्या किसी का गिला करे कोई।

सच कहने का अमल आसान नहीं होता क्योंकि सच के मुक़ाबिल झूठ की एक मुनज़्ज़म और मज़बूत भीड़ होती है,जो वसाएल से भी लैस होती है। वह भीड़ सच की ज़बान बंदी के लिए किसी हद तक जा सकती है,मगर इब्तेदाई मंज़िल पर सच को समाअत से महरूम करने के लिए वह सच बोलने वाले को तरह तरह के नाम देकर उसे सुनने वालों की नज़र में हल्का करने का हर्बा अपनाती है। यह हर्बा जो आज भी इस्तेमाल में है दर अस्ल सदियों पुराना है, उसी हर्बे की तरफ़ राही मुतवज्जह करते हैं.

.

तुम ख़ुद देखो हम जैसों का दुनिया ने जो हाल किया

जब भी सच बोलोगे यहाँ पर दीवाने कहलाओगे

जब हालात बदलते हैं तो दुनिया का माहौल,लोगों का मिज़ाज और अपनों की नज़र में भी बदलाव आता है।मुहब्बत करने वाले मुहब्बत तर्क कर देते हैं,सुनने वालों की समाअत का रुख़ फिर जाता है और बात करने वाले बात से मूँह मोड़ लेते हैं। इसी कर्ब को राही ने ग़ज़ल के शेर का मज़मून किया...

बसी हुई थीं जहाँ मेहरबान आवाज़ें

वहाँ हम आज तरसते हैं गुफ़्तुगू के लिए

वक़्त पर जब हक़ीकतों को महसूस नहीं किया जाता तो फिर वक़्त गुज़र जाने के बाद सिवाय पछतावे के कुछ नहीं बचता,मगर इस हक़ीक़त को लोग तब तक समझ नहीं पाते जब तक यह हक़ीक़त इबरत हो कर उनके सामने न आ जाये।

ग़ालिब ने कहा था कि

ग़ालिबे ख़स्ता के बग़ैर कौन से काम बंद हैं

रोइये ज़ार ज़ार क्या कीजिये हाय हाय क्यों

ग़ालिब के यहाँ यह मज़मून तंज़ के साथ है क्यों कि वह बाद की मंज़िल का है मगर मीर ने इसे आगाही ओ ख़बरदारी की मंज़िल पर यूँ कहाँ है..

अब कर के फ़रामोश तो नाशाद करोगे,

पर हम जो न होंगे तो बहुत याद करोगे।

मगर राही मासूम रज़ा इस कैफ़ियत को अपने अंदाज़ में नज़्म करते हैं कि..

आज जो इस बेदर्दी से हँसता है हमारी वहशत पर

इक दिन हम उस शहर को श्राहीश रह रह कर याद आएँगे

इंसान अपनी फ़िक्र से बनता है। मगर इंसानों का अलमीया या ट्रेजिडी यह है कि ख़ुद को आज़ाद समझने वाले इंसानों में सा ज़ियादातर ऐसे होते हैं जो घर वालों,दीन धर्म वालों या सियासत वालों की फ़िक्र का ग़ुलाम होते हैं। किसी की फ़िक्र को अपनाना बुरी बात नहीं है मगर किसी की फ़िक्र को बग़ैर छाने फटके अपना लेना अच्छा नहीं होता। फ़िक्र अपनाने से पहले कम से कम यह तो जाँच लिया जाना चाहिए कि फ़िक्र का दायरा कितना है? फ़िक्र जोड़ने वाली है?छोड़ने वाली है या फिर तोड़ने वाली है। सब को जोड़ कर चलने वाली फ़िक्र अच्छी और कुछ को छोड़ कर चलने वाली फ़िक्र तंग नज़र होती है लेकिन लोगों में फूट डालने और उन्हें तोड़ने वाली फ़िक्र सबके लिए बुरी होती है,यह फ़िक्र अपने वजूद देने,मानने और बढ़ाने फैलाने वाले के लिए भी बुरी होती है। बाँटने तोड़ने वाली फ़िक्र फ़िर्क़ा परस्ती को बढ़ावा देती है और जब समाज फ़िर्क़ा परस्त हो जाता है तो फिर घर, फ़िर्क़ा, रिवायत,तारीख़ और इंसानियत में से किसी पर रह्म नहीं करता। टीपी शुक्ल नाम के नाविल में राही का एक फ़िक्री मुकालमा इसी ज़ैल में है..

कितनी शर्म की बात है कि हम घर पर मरनेवाले और बलवे में मारे जाने वाले में फ़र्क नहीं कर सकते, जबकि घर पर केवल एक व्यक्ति मरता है और बलवाइयों के हाथों परम्परा मरती है, सभ्यता मरती है, इतिहास मरता है।

क़मिती होते हैं वह लोग जिनके दिमाग़ में सवाल के चराग़ रौशन होते हैं और जो सवाल के चराग़ की झिलमिलाती रौशनी के सहारे जवाब के सवेरे तक पहुँचते हैं। सवाल में इमकान होता है, सवाल न होने या न सुने जाने पर मायुसी और बेचौनी बढ़ती है,बद नज़्मी और बद अम्नी फैलती है। अक्सर सवाल बेचौन करते हैं मगर उनके हल में उनके सुकून और बेहतरी की दौलत होती है। कुछ सवाल बड़े ज़िद्दी होते हैं,ज़िद्दी सवाल न सुने जाने पर शोर करने लगते हैं,नारों में बदल जाते हैं और गानों में ढल जाते हैं! ऐसे संजीदा सवाल सवालों के बारे में राही की पुर मिज़ाह संजीदगी एक हिक्मत है, कहते हैं...

प्रश्न हमारा पीछा नहीं छोड़ते। मनुष्य मौत को जीत सकता है, परंतु प्रश्न को नहीं जीत सकता। कोई–न–कोई प्रश्न दुम के पीछे लगा ही रहता है।

बेशक, इस में कोई दो राय नहीं कि राही, मासूम रज़ा राही, रह रह कर याद आने वाले क़लमकार हैं। वह नज़्म के हवाले से भी याद किए जायेंगे और नस्र के हवाले से भी याद किये जायेंगे। वह ना क़ाबिले फ़रामोश हैं, उन्हें भुलाया नहीं जा सकता।

अनवार अब्बास नक़वी

यू.पी.आई. भुगतान शुल्क के मद्देनजर उभरती आशंकाएं

दीपिका अरोड़ा

सरकार और एन.पी.सी.आई. द्वारा लिए गए फैसले के तहत 15 अक्तूबर 2026 से यू.पी.आई. भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट शुल्क वसूलने के फैसले पर जन साधारण से लेकर विशेषज्ञों तक की राय बंटी हुई

भुगतान पर मामूली शुल्क संबंधी निर्णय यथावत बने रहने का संकेत मिलने से आम–ओ–खास में चर्चाएं भी जोर पकडने लगी हैं। 2,000 रुपए से अधिक यू.पी.आई. भुगतान पर मामूली शुल्क संबंधी निर्णय यथावत बने रहने का संकेत मिलने से आम–ओ–खास में चर्चाएं भी जोर पकडने लगी हैं। 2,000 रुपए से अधिक यू.पी. है। सरकार तथा वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 'पर्सन–टू–पर्सन' कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, बल्कि 2,000 रुपए से ऊपर की राशि पर भुगतान फीस लोगों की बजाय व्यापारियों को चुकानी होगी। पृष्ठभूमि खंगालें तो यू.पी.आई. (यूनिफाइड पेमैंट्स इंटरफेस) के रूप में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा एक ऐसी उत्कृष्ट प्रणाली विकसित की गई, जिसने लेन–देन की परिभाषा ही बदल कर रख दी। यह एक ऐसा मॉडल है, जिसकी वजह से भारत की गणना आज विश्व के सबसे बड़े रियल–टाइम पेमैंट बाजारों में शीर्षस्थ होती है। स्मार्टफोन के माध्यम से किन्हीं भी 2 बैंक खातों के बीच धन हस्तांतरण को त्वरित, सुविधाजनक एवं सरल बनाना किसी क्रांति से कम न था।

गरीबों का पेट भरतीं दिल्ली की 'अटल कैंटीनें'

अटल कैंटीनें दिल्ली सरकार की एक पहल है, जहां 5 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से भोजन उपलब्ध कराया जाता है। हजारों लोगों के लिए, अटल कैंटीनें पका हुआ भोजन प्राप्त करने का एक नियमित ठिकाना बन गई हैं, जिसके लिए उन्हें बहुत कम खर्च करना पड़ता है। दिसम्बर 2025 से, दिल्ली सरकार ने शहर भर में 100 स्थानों पर अटल कैंटीनें शुरू की हैं, जो प्रतिदिन लगभग 50,000 भोजन वितरित करती हैं। प्रत्येक कैंटीन की प्रतिदिन 1,000 भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता है, जिसमें दोपहर का भोजन और रात का भोजन दोनों के लिए 500–500 भोजन शामिल हैं। 100 कैंटीनों के संचालन का ठेका निविदा प्रक्रिया के माध्यम से 11 अलग–अलग कंपनियों या गैर–सरकारी संगठनों को दिया गया है। कंपनी प्रत्येक भोजन के लिए 30 रुपए शुल्क लेती है, जिसमें से वह व्यक्ति से 5 रुपए और सरकार से 25 वसूल करती है। 100 कैंटीनों को 5–5 के 20 समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह की कैंटीनों के लिए भोजन एक केंद्रीय कैंटीन में पकाया जाता है और अधिकारियों के अनुसार, विक्रेता को वहां से किसी और को भोजन की आपूर्ति करने की अनुमति नहीं है। पका हुआ भोजन फिर 20–30 लीटर के स्टील ड्रम या इंसुलेटेड कैसरोल में कैंटीनों में वितरित किया जाता है। पिछले साल 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर योजना के शुभारंभ के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में कोई भी भूखा न रहे। वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट में भारत 123 देशों में से 102वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 25.8 है, जो इसे 'गंभीर' भूख की श्रेणी में रखता है। अधिकांश कैंटीनें झुग्गी–झोंपड़ी वाले इलाकों के पास ही बनी हैं लेकिन कुछ अस्पतालों, कॉलेजों और बस टर्मिनलों

के पास स्थित हैं, जो विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को आकर्षित करती हैं–कूड़ा बीनने वाले, ऑटो रिक्शा चालक, डिलीवरी एजेंट, छात्र। प्रत्येक कैंटीन में हर भोजन के बाद दाल और सब्जी बदल जाती है। बारी–बारी से काली दाल, मसूर दाल, चना दाल, आलू और चना या आलू और टमाटर परोसे जाते हैं। अटल कैंटीनों में लोग अपनी प्लेटें फिर से भर सकते हैं। माइक्रो एजुकेशन एंड सोशल वैल्फेयर सोसाइटी, जो एक गैर–लाभकारी संस्था है और 10 अटल कैंटीन चलाती है, के सलाहकार मुकेश कुमार अग्रवाल कहते हैं, ''आनंद विहार जैसी कैंटीन के लिए, जहां दोपहर में लगभग 500 भोजन परोसे जाते हैं, हम लगभग 125 किलो दाल और सब्जी, 100 किलो चावल और 2,000 रोटियां बनाते हैं।'' हर कैंटीन लगभग एक जैसी है, प्रत्येक में 6 मेज और 8 स्टूल हैं, सफेद टाइलों का फर्श है और धातु की छत है। कैंटीन के कर्मचारी शिकायत करते हैं कि उन्हें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिलती। एक कैंटीन में खाना परोसने वाली 40 वर्षीय महिला का कहना है कि उसे महीने में केवल 8,500 रुपए मिलते हैं। ठेकेदार की कार्रवाई के डर से अपनी पहचान गुप्त रखने वाली महिला कहती है, ''हम सुबह 10 बजे आते हैं और रात 9 बजे के बाद ही जाते हैं और महीने में केवल 2 दिन की छुट्टी मिलती है। हमें जो वेतन मिलता है वह बहुत कम है और कहीं और काम करने का समय भी नहीं है।''हर कैंटीन के बाहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता और वाजपेयी की तस्वीरें लगी हैं। कैंटीन का नाम वाजपेयी के नाम पर रखा गया है, लेकिन उनकी तस्वीर तीनों में सबसे छोटी है। कैंटीनों के अंदर भी इसी तरह के पोस्टर लगे हैं। आंध्र प्रदेश के 48 वर्षीय अप्पू राव ने कहा, ''मोदी अब (रियायती) भोजन दे रहे हैं लेकिन दक्षिण में तो यह बहुत पहले से दिया जा रहा है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। यह पहले यहीं होना चाहिए था। गैस सिलैंडर की कीमत अब 4,000 रुपए हो गई है। वह (मोदी) असल में हमसे छीन रहे हैं। सब कुछ महंगा हो गया है।'' दिहाड़ी मजदूर राव का कहना है कि वह कैंटीन में नियमित रूप से नहीं आते, क्योंकि उन्हें खाना पसंद नहीं है। ''सबमें आलू डाल देते हैं। लेकिन जब काम नहीं मिलता, तो मैं यहां आ जाता हूं।'' वह कहते हैं कि दाल ठीक है। दिल्ली के अलावा, अन्य राज्यों में भी सार्वजनिक कैंटीनों में रियायती भोजन उपलब्ध है। आई.आई.टी. दिल्ली की प्रोफैसर रीतिका खेरा का कहना है कि भारत के लगभग एक दर्जन प्रमुख राज्य ऐसा करते हैं, जिनमें तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। उनका कहना है कि 1990 के दशक के मध्य में महाराष्ट्र में शुरू किए गए झुन्का भाकर केंद्र संभवतरू इस तरह की पहली सार्वजनिक कैंटीन पहल है। अटल कैंटीन कई जगहों पर काफी लोकप्रिय हैं, जिनमें से एक दिल्ली–उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित आनंद विहार है, जो अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर है। यहां लोगों का आना–जाना लगा रहता है, जिनमें से कई लोग बड़े–बड़े यात्रा बैग लिए होते हैं। 'भरपेट खाना सिर्फ 5 रुपये में।' यह नारा कैंटीनों में बार–बार सुनाई देता है। 17 वर्षीय खुशबू कुमारी, जो अपने माता–पिता और तीन भाई–बहनों के साथ यात्रा कर रही हैं, के लिए यह कैंटीन एक विश्राम स्थल है, क्योंकि वे उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ स्थित अपने गांव पहुंचने के लिए बसें बदल रही हैं। वह कहती हैं कि खाना उनके स्कूल में मिलने वाले दोपहर के भोजन से बेहतर है, हालांकि रोटी कच्ची थी।

मुंबई में सजेगा 'द पैराडाइज' का प्री-रिलीज जश्न, नानी, राघव जुयाल, सोनाली कुलकर्णी और कायडू लोहार होंगे शामिल

अपनी रिलीज से पहले ही नेचुरल स्टार नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' एक्सकिटमेंट को सातवे आसमान पर लेकर जा रही है। इसके टीजर और गानों जैसे आया शेर और येशानागुला को मिले कमाल के रिस्पॉन्स के साथ यह दर्शको और म्यूजिक लवर्स का दिल जीत रहे हैं। नैचुरल स्टार नानी स्टारर द पैराडाइज इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। बता दें कि इस फिल्म को श्रीकांत ओडेला द्वारा डायरेक्ट किया गया है, वहीं इससे पहले यह सुपरहिट एक्टर–डायरेक्टर की जोड़ी ब्लॉकबस्टर दशहरा जैसी फिल्म दे चुकी है। मेकर्स ने दर्शको के उत्साह को बढ़ाने के लिए पहले ही टीजर और गानों के साथ फिल्म की रिलीज के लिए स्टेज सेट कर दिया है। फिल्म अपनी कहानी के साथ–साथ एक्टर के अनोखे लुक और किरदार की वजह से भी दर्शको के बीच चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की रिलीज डेट जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, दर्शकों के बीच उत्सुकता का माहौल देखने मिल रहा है। फिल्म की जबरदस्त कास्ट की बात करें तो इसमें नेचुरल स्टार नानी, राघव जुयाल (विलेन), सोनाली कुलकर्णी और कायडू लोहार का नाम शामिल है। बता दें की यह सभी सितारे मुंबई में होने वाले एक बड़े प्री–रिलीज प्रमोशनल इवेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। इन सितारों के साथ आने से यह तय है कि फिल्म की रिलीज के इर्द–गिर्द बना माहौल गर्माने वाला है। रिलीज किये जा चुके टीजर में नानी का अब तक का सबसे इंटेंस और बेबाक अवतार देखने मिला है। बता दें कि इस फिल्म की कहानी झुग्गी–बस्तियों के बैकड्रॉप पर सेट है, जिसमें नानी ने जदल का किरदार निभाया है, जो एक वेश्या का बेटा है। अपनी दम दर कहानी के साथ यह फिल्म दर्शको के सामने न सिर्फ नानी का अलग अवतार बल्कि रॉ इंटेंसिटी, मास एनर्जी के साथ–साथ हाई ओकटाइन एक्शन देने का वादा करती नजर आ रही है। दूसरी तरफ द पैराडाइज राघव जुयाल को एक खतरनाक विलेन के रूप में पेश करता है, जो फिल्म की दिलचस्प दुनिया में एक और परत जोड़ता है। इसके अलावा, द पैराडाइज के गाने नए स्टैंडर्ड सेट कारने के साथ, रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। फिल्म का पहला गाना आया शेर ने यूट्यूब पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 1.8 मिलियन से ज्यादा लाइक्स हासिल किए हैं, और हजारों इंस्टाग्राम रील्स के साथ यह सोशल मीडिया पर छा गया है। वहीं, दूसरा गाना, येशानागुला, भी यूट्यूब पर 119 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 700के लाइक्स का आंकड़ा अपने नाम कर चुका है। यह गाने कई चार्ट्स और प्लेटफॉर्म्स पर बनी हुईं हैं और यह सबूत है कि दर्शक फिल्म को लेकर कितने उत्साहित हैं। एसएलवी सिनेमाज के प्रोडक्शन में बनी द पैराडाइज 24 सितंबर 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत आठ भाषाओं में बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ग्लोबल लेवल को देखते हुए मेकर्स ने कथित तौर पर हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से द पैराडाइज को इंटरनेशनल मार्केट्स में प्रेजेंट करने के लिए संपर्क किया है। शानदार डायरेक्टर, दमदार स्टारकास्ट और ग्लोबल स्केल के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े कल्चरल फेनोमेनन के रूप में सामने आ रही है, जिसे लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बिहार पहुंचे सिद्धार्थ मल्होत्रा, यहां की सबसे मशहूर डिश लिट्टी चोखा का लिया मजा

बॉलीवुड स्टार्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया शनिवार को अपनी आने वाली फिल्म द वान– फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट के प्रमोशन के लिए बिहार पहुंचे। पटना में अपने दिन भर के प्रमोशनल टूर के दौरान, दोनों ने फैंस से मुलाकात की और राज्य की खास डिश लिट्टी चोखा का स्वाद भी चखा। सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम पर अपनी लिट्टी चोखा प्लेट की एक फोटो भी शेयर की। एक दिन पहले, सिद्धार्थ और तमन्ना को शबिग बॉस 20 के सेट पर देखा गया था, जहां वे सुपरस्टार सलमान खान से मिले थे। सिद्धार्थ ने सेट से सलमान के साथ एक तस्वीर भी शेयर की और लिखा, सलमान सर के साथ वीकेंड का वार और घर वालों के साथ थोड़ी मस्ती। बिग बॉस 20 पर मिलते हैं। द वान में टीवीएफ के अरुणाभ कुमार, डायरेक्टर दीपक मिश्रा और एकता कपूर एक साथ आए हैं। यह फिल्म भारतीय लोककथाओं को फैंटेसी, एडवेंचर, मिस्ट्री और ह्यूमर के साथ जोड़ती है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा टीवीएफ और 11.11 प्रोडक्शन के साथ मिलकर पेश की जा रही इस फिल्म में सिद्धार्थ के साथ तमन्ना भाटिया भी हैं। फिल्म को अरुणाभ कुमार ने लिखा है और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है, जबकि मनु आनंद डीओपी और विजुअल डायरेक्टर हैं। इसे शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने प्रोड्यूस किया है। द वावन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शादी का वादा कर किया यौन शोषण... महिला के आरोपों के बाद अब महाभारत फेम सौरव गुर्जर को किया गिरफ्तार

मुंबई एयरपोर्ट पर गाचीबोवली पुलिस ने अभिनेता और पूर्व डब्लयूडब्लयूई रेसलर सौरव गुर्जर को हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें मेजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। यह कार्रवाई एक महिला की शिकायत के बाद हुई है। महिला ने आरोप लगाया कि सौरव गुर्जर ने शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। हाल ही में अभिनेता और पहलवान सौरव गुर्जर जो महाभारत में भीम का किरदार निभाते हुए नजर आए थे पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। महिला का दावा है कि सौरव ने उससे शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक शोषण किया तथा बाद में अपने वादे से मुकर गए। पीड़िता के अनुसार, दोनों का संपर्क साल 2021 में इंस्टाग्राम के माध्यम से हुआ था, जिसके बाद वॉट्सऐप पर बातें करते–करते उनके बीच नजदीकी संबंध बन गए थे। शिकायतकर्ता महिला के अनुसार, उनकी और सौरव गुर्जर की पहली मुलाकात 25 दिसंबर 2021 को हुई। दौरान सौरव ने महिला को शादी करने और पत्नी का दर्जा देने का पूरा भरोसा दिलाया था। महिला ने बताया कि जब वह अमेरिका में रहती थीं, तब भी उनके बीच रिश्ता कायम था और भारत वापस आने के बाद दोनों साथ में रहने लगे थे। महिला का आरोप है कि सौरव के कहने पर ही उन्होंने अमेरिका में अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी क्योंकि सौरव ने उनके साथ मिलकर भारत में बिजनेस शुरू करने का वादा किया था। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि सौरव के कथित दुर्व्यवहार और प्रताड़ना की वजह से वह अपने करियर पर भी ध्यान नहीं दे पा रही थीं। शिकायत के मुताबिक, जब भी वह सौरव पर शादी का दवाब बनाती या इस बारे में बात करती तो वह उनका नंबर ब्लॉक कर देते थे और उनसे भी दूरी बना लेते थे। महिला का दावा है कि सौरव गुर्जर अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के दौरान उनके साथ रहे थे। उनका आरोप है कि हैदराबाद में साथ रहने के बाद सौरव उन्हें बिना बताए अचानक छोड़कर चले गए। इस शिकायत के आधार पर गाछीबोवली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सौरव गुर्जर को मुंबई एयरपोर्ट से हिरासत में लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए उन्हें हैदराबाद ले आई, जहां से बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हाथ में हथियार, आंखों में गुस्सा और पानी के अंदर एक्शन, 'मायसा' टीजर में छाई रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'मायसा' का टीजर जारी हो गया है। टीजर में रश्मिका एक ऐसे किरदार में नजर आ रही हैं, जो उनके अब तक के निभाए किरदारों से काफी अलग है। फिल्म में वह एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसे सामाजिक बंदिशों और कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, वह इन चुनौतियों के आगे झुकने के बजाय उनका सामना करती नजर आती हैं।

मुश्किलों के खिलाफ लड़ती नजर आईं रश्मिका

टीजर में मायसा ऐसी महिला के रूप में दिखाई गई हैं, जो अपने रास्ते में आने वाली हर मुश्किल से लड़ने का फैसला करती है। उनके किरदार का एक बेहद मजबूत और जुझारू रूप देखने को मिलता है। युद्ध का ऐलान करने के उनके फैसले के साथ ही कहानी में संघर्ष और अपने अस्तित्व के लिए लड़ाई की झलक मिलती है।

रश्मिका का अलग अंदाज और जबरदस्त एक्शन

'मायसा' के टीजर की खास बात रश्मिका मंदाना का बदला हुआ रूप भी है। वह कई दमदार लड़ाई वाले दृश्यों में नजर आती हैं। इसके अलावा फिल्म में पानी के अंदर फिल्माए गए मुश्किल एक्शन दृश्यों की भी झलक देखने को मिलती है। रश्मिका ने मायसा के किरदार को बेहद सहज और मजबूत अंदाज में पेश किया है, जिससे टीजर में उनका प्रभाव साफ नजर आता है। टीजर साझा करते हुए रश्मिका ने सामाजिक मंच पर लिखा, "जिस मायसा से आप मिलने वाले हैं... वह अब तक देखी गई किसी भी चीज से अलग है। और इन सबके बीच... कहीं एक तूफान बाहर आने का इंतजार कर रहा है। मैं आप सभी को उसकी कहानी दिखाने का इंतजार नहीं कर सकती।" उन्होंने आगे फिल्म की रिलीज तारीख 27 नवंबर 2026 बताई।

कौन बना रहा है 'मायसा'?

'मायसा' का निर्देशन पहली बार फिल्म बना रहे रवींद्र पुल्ले ने किया है। फिल्म का निर्माण अजय साईपुरेड्डी, अनिल सयापुरेड्डी और वीरसाई गोपा ने अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म का संगीत जेक्स बिजॉय ने तैयार किया है, जबकि श्रेयस कृष्णा ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है।

नहीं रहीं मशहूर एक्ट्रेस, 71 की उम्र में कैंसर से लंबी जंग के बाद हुआ निधन

बंगाली सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मिथु मुखर्जी का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। अभिनेत्री ने 21 सितंबर 2026 को मुंबई के एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह करीब एक साल से कैंसर से जूझ रही थीं। 1970 और 1980 के दशक में बंगाली सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल रहीं मिथु ने बंगाली के साथ हिंदी फिल्मों में भी काम किया था। अपने दौर में उन्हें उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस के चलते 'टॉलीवुड की रेखा' भी कहा जाता था। मिथु मुखर्जी अपने करियर के बाद के वर्षों में फिल्मी दुनिया और सार्वजनिक जीवन से काफी दूर हो गई थीं। वह बेहद निजी जिंदगी जीती थीं और लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर नहीं आई थीं। बीमारी के दौरान भी उनकी निजी जिंदगी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई। उनके निधन की खबर सामने आते ही बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। अभिनेत्री ने अपने करियर में उस दौर के कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया था और बंगाली सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई थी। मिथु मुखर्जी ने साल 1972 में चित्त बोस की फिल्म 'शेष पर्व' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद दिनेन गुप्ता की फिल्म 'मरजीना अब्दुल्ला' में मुख्य भूमिका निभाकर उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'निशिकन्या', 'मौचाक', 'स्वयंसिद्धा', 'होटल स्नो फॉक्स', 'भाग्यचक्र' और 'संधि' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी अदाकारी और अलग स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें बंगाली सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। मिथु मुखर्जी ने बंगाली फिल्मों के अलावा हिंदी सिनेमा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। उन्होंने 'खान दोस्त' में काम किया और इसके बाद बासु चटर्जी की 'सफेद झूठ' में भी नजर आईं। उनकी हिंदी फिल्मों में 'दिललगी' और 'दो लड़के दोनों कड़के' भी शामिल हैं। हालांकि उनके करियर का बड़ा हिस्सा बंगाली सिनेमा में रहा, लेकिन हिंदी फिल्मों में काम करने के कारण उन्हें दूसरे हिस्सों के दर्शकों के बीच भी पहचान मिली। मिथु मुखर्जी ने कुछ समय फिल्मों से दूरी बनाने के बाद 1990 में चंद्र बरोट की 'आश्रिता' से पर्दे पर वापसी की थी। यह उनकी आखिरी फिल्मों में रही। इसके बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली और अपनी निजी जिंदगी को प्राथमिकता दी। मिथु मुखर्जी के निधन की खबर के बाद अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी ने भी सोशल मीडिया पर दुख जताया और अभिनेत्री को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मिथु की यादों और उनके काम को याद करते हुए शोक व्यक्त किया। मिथु मुखर्जी ने भले ही अपने करियर के बाद के दौर में फिल्मों से दूरी बना ली थी, लेकिन 1970 और 1980 के दशक में उनका काम बंगाली सिनेमा के एक खास दौर की याद दिलाता है। उनके निधन के साथ उस दौर की एक चर्चित अभिनेत्री का सफर हमेशा के लिए थम गया।

दाद और खुजली के फंगल इन्फेक्शन से राहत दिलाएंगे नीम और तुलसी समेत ये 3 पत्ते

बदलते मौसम में दाद, खाज और खुजली जैसे फंगल इन्फेक्शन से राहत पाने के लिए आयुर्वेद में प्राकृतिक उपाय मौजूद हैं। नीम के पत्तों का पेस्ट, तुलसी का रस और करी पत्ता संक्रमण, लालिमा और जलन को दूर करने में बेहद असरदार होते हैं। इन पत्तियों के इस्तेमाल से फंगस खत्म होता है और त्वचा स्वस्थ रहती है।

बदलते मौसम के समय काफी लोगों को त्वचा पर दाद, खाज और खुजली की समस्या देखने को मिलती है। आमतौर पर दाद और खुजली फंगल इंफेक्श के कारण होते हैं। इससे स्किन पर लाल चकते, तेज खुजली और जलन देखने को मिलती है।

आयुर्वेद में कई ऐसे प्राकृतिक उपाय है, जो इस परेशानी से राहत दिलाते हैं। आइए आपको बताते हैं आयुर्वेद के कुछ पत्तों के बारे में, जो कि स्किन के संक्रमण को शांत करने में काफी मदद करते हैं।

दाद और खुजली से राहत दिलाने वाले 3 आयुर्वेदिक पत्ते

नीम के पत्ते

नीम को आयुर्वेद को स्किन संबंधित सबसे बेस्ट औषधि मानी जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण देखने को मिलते हैं।

– इस्तेमाल करने के कारण– यह संक्रमण पैदा करने वाले फंगस के खत्म करता है और त्वचा की सूजन को कम करता है।

कैसे इस्तेमाल करें?– नीम की ताजा पत्तियों को धोकर पीस लें और पेस्ट बना लें। अब इसमें थोड़ा नारियल तेल या चुटकी भर हल्दी मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं और इसे सूखने दें।

तुलसी के पत्ते

इसमें अधिक मात्रा में यूजेनॉल नामक तत्व और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण देखने को मिलते हैं, जो कि स्किन संबंधित समस्याओं को जड़ से खत्म करता है।

उपयोग का कारण– तुलसी का रस त्वचा पर लगाने से भयंकर खुजली, लालिमा और जलन में आराम पहुंचाता है।

इस्तेमाल करने का तरीका– सबसे पहले आप तुलसी की पत्तियों को मसलकर उनका रस निकाल लें। इस रस को दिन में 2 से 3 बार दाद वाले स्थान पर हल्के हाथों से लगाएं।

करी पत्ते

करी पत्ता का इस्तेमाल सिर्फ खाने के लिए नहीं, बल्कि त्वचा के लिए भी बेहद खास माना जाता है।

उपयोग का कारण– करी पत्ता में पाए जाने वाले गुण, फंगस को पनपने से रोकते हैं और त्वचा की सफाई करते हैं।

– इस्तेमाल का तरीका– करी पत्तों को पीसकर पेस्ट बना लें और इसे खुजली वाली स्थान पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा लें। अब इसको साफ पानी से धो लें।

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

हेल्दी खाने के बाद भी रहती है कमजोरी ? डाइट में इस जरूरी पोषक तत्व कमी

आजकल फिट और हेल्दी रहने के लिए लोग घर का बना खाना खाने, फल–सब्जियां बढ़ाने, तली हुई चीजों से दूरी बनाने और चीनी कम करने पर काफी ध्यान देते हैं। यह अच्छी आदतें हैं, लेकिन सिर्फ इतना करना ही पर्याप्त नहीं है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स का सही संतुलन होना भी जरूरी है। कई बार हमारी डाइट बाहर से काफी हेल्दी नजर आती है, लेकिन उसमें कुछ जरूरी पोषक तत्व कम हो जाते हैं। खासकर वजन कम करने या फिट रहने के चक्कर में लोग कार्बोहाइड्रेट और वसा को पूरी तरह कम कर देते हैं। वहीं कुछ लोग दिनभर सलाद, फल या जूस पर निर्भर रहने लगते हैं। ऐसी डाइट से शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और जरूरी पोषण नहीं मिल पाता। इसका असर थकान, कमजोरी, सुस्ती और ध्यान लगाने में परेशानी के रूप में दिखाई दे सकता है।

शरीर को ऊर्जा देने के लिए जरूरी है कार्बोहाइड्रेट

कार्बोहाइड्रेट को लेकर अक्सर लोगों के मन में यह गलतफहमी रहती है कि इसे खाने से वजन बढ़ता है। जबकि शरीर के लिए कार्बोहाइड्रेट ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है। खासकर दिमाग और शरीर को रोजाना काम करने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है। इसलिए डाइट से कार्बोहाइड्रेट को पूरी तरह हटाने के बजाय इसके बेहतर स्रोतों को खाने में शामिल करना चाहिए। साबुत अनाज, ओट्स, ब्राउन राइस, दालें, मोटे अनाज और सब्जियां इसके अच्छे स्रोत हो सकते हैं। इनसे शरीर को ऊर्जा के साथ–साथ फाइबर भी मिलता है।

हर मुख्य भोजन में प्रोटीन होना जरूरी

प्रोटीन शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। यह मांसपेशियों के निर्माण और उनकी मरम्मत में मदद करता है। इसके अलावा शरीर में एंजाइम और हार्मोन बनाने में भी इसकी भूमिका होती है। अगर खाने में प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में नहीं है तो खाना खाने के बाद भी जल्दी भूख लग सकती है और समय के साथ मांसपेशियों में कमजोरी महसूस हो सकती है। प्रोटीन के लिए दाल, चना, राजमा, बीन्स, सोया, अंडे, दूध और दूसरे डेयरी उत्पाद, मछली और चिकन जैसे खाद्य पदार्थ लिए जा सकते हैं। शाकाहारी लोग दालों, फलियों, सोया, पनीर, दूध और दही से अपनी जरूरत के मुताबिक प्रोटीन ले सकते हैं।

वसा को पूरी तरह बंद करना भी सही नहीं

स्वस्थ रहने के लिए वसा की भी जरूरत होती है। समस्या तब होती है जब खाने में बहुत ज्यादा या बार–बार तली हुई और अस्वास्थ्यकर वसा शामिल हो जाए। वहीं शरीर को कुछ जरूरी फैटी एसिड की आवश्यकता होती है।नट्स, बीज, एवोकाडो और उचित मात्रा में वनस्पति तेल जैसे स्रोत डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। वसा शरीर में कुछ विटामिनों के अवशोषण में भी मदद करती है। इसलिए वजन कम करने के चक्कर में वसा को पूरी तरह बंद करने के बजाय इसकी सही मात्रा और बेहतर स्रोतों पर ध्यान देना चाहिए।

लगातार थकान हो तो आयरन और विटामिन बी12 पर भी ध्यान दें

हर समय थकान और कमजोरी महसूस होना सिर्फ कम खाना खाने की वजह से नहीं होता। कई बार शरीर में आयरन, विटामिन ठ12 या फोलिक एसिड की कमी भी इसकी वजह हो सकती है। आयरन शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए जरूरी है। इसकी कमी होने पर थकान, कमजोरी, सांस फूलना और ध्यान लगाने में परेशानी जैसी शिकायतें हो सकती हैं। वहीं विटामिन बी12 की कमी में थकान के साथ हाथ–पैर में झुनझुनी या सुन्नपन जैसी समस्या भी हो सकती है। जो लोग पूरी तरह शाकाहारी या वीगन डाइट लेते हैं, उन्हें विटामिन बी12 के पर्याप्त स्रोत पर खास ध्यान देना चाहिए। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लेकर जांच भी कराई जा सकती है।

सिर्फ जंक फूड छोड़ना ही संतुलित डाइट नहीं

संतुलित डाइट का मतलब केवल पिज्जा, बर्गर, चिप्स, मिठाई या दूसरी अस्वास्थ्यकर चीजों से दूरी बनाना नहीं है। शरीर को हर दिन पर्याप्त ऊर्जा और अलग–अलग पोषक तत्वों की जरूरत होती है। कोशिश करें कि हर मुख्य भोजन में प्रोटीन के साथ साबुत अनाज या दूसरे जटिल कार्बोहाइड्रेट, अलग–अलग रंगों की सब्जियां और उचित मात्रा में स्वस्थ वसा शामिल हो। फल भी डाइट का हिस्सा होने चाहिए। यानी प्लेट में सिर्फ सलाद भर लेने के बजाय ऐसा खाना चुनें जिससे शरीर को ऊर्जा, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स सभी मिल सकें।

पानी और नींद को भी नजरअंदाज न करें

हेल्दी डाइट के साथ पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने पर थकान, सिरदर्द और ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है। हालांकि हर व्यक्ति को कितने पानी की जरूरत है, यह उसके शरीर के आकार, शारीरिक गतिविधि, मौसम और स्वास्थ्य की स्थिति पर निर्भर करता है। इसी तरह अच्छी नींद भी शरीर के लिए जरूरी है। अगर खान–पान ठीक होने के बावजूद नींद पूरी नहीं हो रही है, तनाव ज्यादा है या शारीरिक गतिविधि बहुत कम है, तो भी लगातार थकान महसूस हो सकती है।

हर थकान को पोषण की कमी न समझें

लगातार थकान को केवल डाइट की कमी मानना सही नहीं है। एनीमिया, थायरॉयड की समस्या, डायबिटीज, नींद से जुड़ी परेशानियां, संक्रमण और दूसरी स्वास्थ्य स्थितियां भी इसकी वजह हो सकती हैं। कुछ दवाओं के कारण भी थकान महसूस हो सकती है। इसलिए अगर पर्याप्त खाना खाने, पानी पीने और अच्छी नींद लेने के बावजूद लंबे समय तक थकान और कमजोरी बनी रहती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेकर सही कारण की जांच कराना बेहतर है।

हर महीने पीरियड्स का दर्द करता है बेहाल ? ये देसी ड्रिंक दिलाएगी आराम

पीरियड्स के दौरान हर लड़की का अनुभव अलग होता है। किसी को हल्का दर्द होता है तो किसी के लिए क्रैम्प्स इतने ज्यादा होते हैं कि रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल लगने लगता है। खासतौर पर पेट के निचले हिस्से, कमर और पेल्विक एरिया में दर्द के साथ कई बार थकान, चिड़चिड़ापन और जी–मिचलाने जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं। ऐसे में खान–पान और कुछ आसान घरेलू उपाय थोड़ी राहत देने में मदद कर सकते हैं। सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह ने भी पीरियड्स के दिनों के लिए अखरोट, अदरक और गुड़ से बनी एक गर्म ड्रिंक शेयर की है। इसे बनाना काफी आसान है और ठंडे या असहज दिनों में गर्म पेय के तौर पर लिया जा सकता है।

पीरियड्स में क्यों होता है इतना दर्द

पीरियड्स के दौरान गर्भाशय की मांसपेशियां सिकुड़ती हैं, ताकि शरीर से पीरियड्स का ब्लड बाहर निकल सके। इन्हीं संकुचन की वजह से पेट के निचले हिस्से और कमर में क्रैम्प्स महसूस हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में यह दर्द काफी तेज भी हो सकता है। अगर हर महीने दर्द इतना ज्यादा हो कि स्कूल, ऑफिस या रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगें, तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

श्वेता शाह की बताई ड्रिंक

न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह ने पीरियड्स के दौरान आराम के लिए अखरोट, अदरक और गुड़ से बनी गर्म ड्रिंक की रेसिपी शेयर की है। उनके मुताबिक, गर्म ड्रिंक उन दिनों में शरीर को आराम महसूस कराने में मदद कर सकती है। इस ड्रिंक में अखरोट, अदरक और गुड़ का इस्तेमाल होता है। इसे तैयार करने में ज्यादा समय भी नहीं लगता।

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

1 बड़ा चम्मच कुटे हुए अखरोट

1/2 छोटा चम्मच अदरक पाउडर

1 बड़ा चम्मच गुड़ या स्वाद के अनुसार

2 कप पानी

ऐसे बनाएं अखरोट–अदरक की ड्रिंक

सबसे पहले एक पैन में 2 कप पानी डालकर उबालें। अब इसमें कुटे हुए अखरोट और अदरक पाउडर डाल दें। इसे धीमी आंच पर करीब 5 से 7 मिनट तक पकने दें। इसके बाद गैस बंद कर दें और इसमें गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गुड़ पूरी तरह घुल जाने के बाद ड्रिंक को छान लें। इसे हल्का गर्म रहते हुए पिया जा सकता है।

इसमें मौजूद चीजें कैसे मदद कर सकती हैं

अखरोट में मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। वहीं अदरक का इस्तेमाल लंबे समय से पाचन संबंधी परेशानी और जी–मिचलाने जैसी दिक्कतों में किया जाता रहा है। कुछ अध्ययनों में अदरक को पीरियड्स के दर्द में संभावित राहत से भी जोड़ा गया है। गुड़ इस ड्रिंक में मिठास देता है। हालांकि, इसे तुरंत एनर्जी देने वाला इलाज नहीं समझना चाहिए और डायबिटीज या ब्लड शुगर की समस्या वाले लोगों को गुड़ की मात्रा का खास ध्यान रखना चाहिए।

गर्म सिकाई से भी मिल सकती है राहत

पीरियड्स के क्रैम्प्स में सिर्फ डाइट पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। पेट के निचले हिस्से या कमर पर हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल से सिकाई करने से कई लोगों को आराम महसूस होता है। गर्माहट मांसपेशियों को रिलैक्स करने और दर्द की परेशानी कम महसूस कराने में मदद कर सकती है। इसके अलावा दिनभर पर्याप्त पानी पीते रहें। अगर आपको गुनगुना पानी पसंद है तो इसे भी ले सकती हैं। बहुत ज्यादा कैफीन वाले पेय और भारी भोजन कम रखना कुछ लोगों के लिए आरामदायक हो सकता है।

तेज दर्द को नजरअंदाज न करें

अगर पीरियड्स के दौरान दर्द हर महीने बहुत ज्यादा होता है, अचानक पहले से बढ़ गया है, बेहोशी जैसा महसूस होता है, बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है या दर्द की वजह से सामान्य काम करना मुश्किल हो जाता है, तो डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है। कभी–कभी बहुत ज्यादा पीरियड्स पेन के पीछे एंडोमेट्रियोसिस या दूसरी मेडिकल स्थितियां भी हो सकती हैं। घरेलू उपाय कुछ लोगों को अस्थायी राहत दे सकते हैं, लेकिन लगातार या गंभीर दर्द होने पर सही कारण जानना और उचित इलाज लेना ज्यादा जरूरी है।

संक्षिप्त

कनाडा के साथ CEPA वार्ता पर बोले पीयूष गोयल अगले 90 दिन दोनों देशों के लिए अहम

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए बातचीत में तेज़ी लाने पर सहमत हो गए हैं। बातचीत का अगला दौर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 90 दिन दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अहम दौर साबित हो सकते हैं। गोयल ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को मुंबई में कनाडा के अपने समकक्ष, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत का चौथा दौर पूरा किया। मीडिया से बातचीत के दौरान गोयल ने कहा मैंने शुक्रवार को मुंबई में कनाडा के साथ व्यापार समझौते के लिए अपने समकक्ष श्री मनिंदर सिद्धू के साथ बातचीत का चौथा दौर पूरा किया है। बातचीत को फ़ायदेमंद बताते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने बातचीत की रफ़्तार बढ़ाने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा कि बहुत फ़ायदेमंद बातचीत हुई और दोनों पक्षों ने बातचीत में तेज़ी लाने का संकल्प लिया है, जिसे देखते हुए हमारी टीम अब पांचवें दौर की बातचीत के लिए जाने वाली है। मंत्री ने बताया कि पांचवां दौर 5 अक्टूबर से शुरू होगा और उन्होंने कहा कि बातचीत की रफ़्तार बढ़ रही है। गोयल ने कहा कि 5 अक्टूबर। तो आप देख सकते हैं कि जैसे–जैसे प्रगति हो रही है, कनाडा के साथ बातचीत की गति भी बेहतर हो रही है। नई दिल्ली और ओटावा के बीच बढ़ते सहयोग की ओर इशारा करते हुए गोयल ने आगे कहा, देखते हैं, अगले 90 दिन कनाडा–भारत संबंधों के लिए बहुत अहम समय साबित होने चाहिए। यह नया दौर दोनों देशों की ओर से एक व्यापक व्यापार समझौता करने की नई कोशिशों का हिस्सा है। मुंबई में सिद्धू की 18–19 सितंबर की यात्रा से पहले कनाडा ने कहा था कि ब्न्च। बातचीत के तीन नए दौर पूरे हो चुके हैं और दोनों पक्ष 2026 के आखिर तक बातचीत पूरी करने के लक्ष्य पर सहमत हैं। भारत और कनाडा एक व्यापक व्यापार समझौते पर एक दशक से ज़्यादा समय से बातचीत कर रहे हैं। बातचीत औपचारिक रूप से मार्च 2022 में फिर से शुरू हुई थी, जिसमें दोनों पक्ष एक अंतरिम कदम के तौर पर श्अर्ली प्रोग्रेस ट्रेड एग्रीमेंटश (शुरुआती प्रगति व्यापार समझौता) पर भी काम कर रहे थे। 2022 और 2023 के बीच बातचीत के नौ दौर हुए, लेकिन अगस्त 2023 में आपसी रिश्तों में तनाव के कारण यह प्रक्रिया रोक दी गई थी। 2025 में व्यापारिक बातचीत ने फिर से गति पकड़ी। इसके बाद दोनों देशों ने ब्न्च। की नई प्रक्रिया शुरू की और 2 मार्च 2026 को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा के दौरान गोयल और सिद्धू ने श्टर्म्स ऑफ़ रेफरेंसश (काम की रूपरेखा) पर हस्ताक्षर किए। दोनों सरकारों ने 2026 के आखिर तक बातचीत पूरी करने का संकल्प लिया।

फ्रंटलाइन नौकरियों में महिला आवेदक बढ़कर 43.5% हुई

'फ्रंटलाइन' नौकरियों के लिए आने वाले आवेदन में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है, लेकिन केवल 13 प्रतिशत नौकरी विज्ञापनों में ही स्पष्ट रूप से महिलाओं को लक्षित किया गया है। एक रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई। फ्रंटलाइन नौकरियों का मतलब ऐसे रोजगार से है जिनमें कर्मचारी सीधे लोगों, ग्राहकों या रोजमर्रा के कारोबारी कामकाज से जुड़े होते हैं। ऑनलाइन भर्ती मंच वर्कइंडिया की तरफ से जारी 'रोजगार रिपोर्ट' के मुताबिक, मंच पर महिला आवेदकों की हिस्सेदारी एक साल पहले के 40.4 प्रतिशत से बढ़कर 43.5 प्रतिशत हो गई है। यह रिपोर्ट अप्रैल से जून, 2026 के दौरान 772 शहरों और 50 से अधिक फ्रंटलाइन नौकरी श्रेणियों में 6.5 लाख से अधिक नौकरी के विज्ञापनों और 98 लाख से अधिक नौकरी के आवेदनों के विश्लेषण पर आधारित है। वर्कइंडिया के सह–संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नीलेश डूंगरवाल ने कहा, ''अधिक महिलाओं का रोजगार की तलाश

करना उत्साहजनक है, लेकिन नियोक्ताओं की मांग को अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है।'' डूंगरवाल ने कहा कि पहुंच, काम में लचीलापन, सुरक्षा और कार्यस्थल की व्यवस्था से जुड़ी बाधाओं को दूर करने से कंपनियों को महिलाओं, पहली बार काम तलाश रहे लोगों और गैर–महानगरीय उम्मीदवारों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं के आवेदनों में वृद्धि नौकरी की कई श्रेणियों में हुई है। बिक्री क्षेत्र में सबसे अधिक 56 लाख से अधिक आवेदन मिले। इसके बाद कार्यालय आधारित भूमिकाओं तथा यात्रा एवं आतिथ्य क्षेत्र का स्थान रहा। ब्यूटीशियन पदों के लिए आवेदनों में महिलाओं की हिस्सेदारी 86.6 प्रतिशत और शिक्षण पदों के लिए 80.7 प्रतिशत रही। वहीं, महिलाएं बिक्री, कार्यालय, विपणन और ग्राहक सेवा से जुड़ी अन्य फ्रंटलाइन नौकरियों में भी बढ़ती रुचि दिखा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जून–जुलाई के दौरान नौकरी आवेदनों में सालाना आधार पर 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नौकरी विज्ञापनों में 40–48 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मानव संसाधन, लेखा, बिक्री और कार्यालय आधारित भूमिकाओं में प्रतिस्पर्धा अधिक है, जबकि डिलिवरी, ड्राइविंग और विनिर्माण क्षेत्र में आवेदन तुलनात्मक रूप से कम हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 92 प्रतिशत फ्रंटलाइन नौकरी विज्ञापनों में अंग्रेजी की जरूरत नहीं थी या केवल बुनियादी स्तर की बातचीत वाली अंग्रेजी जानने की अपेक्षा थी। यह रोजगार के अवसरों को व्यापक आबादी तक पहुंचाने में हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की अहमियत को दर्शाता है।

एशियन गेम्स 2026 से पहले ऐतिहासिक T20I में टीम इंडिया से भिड़ने को तैयार है जापान

एशियाई खेलों 2026 की तैयारी के तहत जापान के क्रिकेटर भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऑलराउंडर बेंजामिन इतो–डेविस और जेक कुसुदा–नायरन ने भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने और देश में क्रिकेट को बढ़ावा देने का संकल्प जताया है। जापान के क्रिकेटर 2026 एशियाई खेलों के अभियान से पहले भारत के खिलाफ़ एक खास टी20 इंटरनेशनल (T20I) मैच खेलने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मकसद मौजूदा टी20 वर्ल्ड चौंपियन के खिलाफ़ जापानी जज़्बा दिखाना है। जापान के ऑलराउंडर बेंजामिन इतो–डेविस, जिन्होंने 25 ज्20ल् मैचों में 263 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं, ने इस मैच को लेकर उत्साह ज़ाहिर किया। उन्होंने कहा कि वे इस चुनौती को स्वीकार करने और ग्लोबल स्टेज पर गर्व के साथ जापान का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने प्ब्ब् डिजिटल से कहा कि मैं बस मैदान पर उतरने और चुनौती का सामना करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ, और मैं सच में इसे लेकर बहुत उत्साहित हूँ। उन्होंने आगे कहा कि ग्लोबल स्टेज पर जापान का प्रतिनिधित्व करना और जापान में क्रिकेट को बढ़ावा देना मेरे लिए बहुत सम्मान और गर्व की बात है। एक टीम के तौर पर, हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम भारत जैसी टीम का मुकाबला कर सकते हैं और श्जापान स्पिरिटश व श्जापान के तरीकेश को दिखा सकते हैं, साथ ही खेल को निष्पक्ष और सम्मानजनक तरीके से खेल सकते हैं। 21 साल के ऑलराउंडर जेक कुसुदा–नायरन का लक्ष्य भारत के 15 साल के शानदार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेना है, जो पहले ही

छह ज्20ल् मैच खेल चुके हैं और दो अर्धशतक लगा चुके हैं। सूर्यवंशी जापानी टीम के लिए अनजान नहीं हैं; 2024 एशियन क्रिकेट काउंसिल एशिया कप के दौरान जापान के चार्ली हारा–हिन्ज़ ने उन्हें 23 रन पर आउट किया था। कुसुदा–नायरन ने कहा कि मैं बस एक बार में एक गेंद पर ध्यान दूंगा। अगर कुछ विकेट मिल जाएं तो अच्छा रहेगा। उन्होंने जापानी क्रिकेट के तेज़ी से हो रहे विकास पर भी ज़ोर दिया और हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में जापान की अंडर–19 टीम के प्रदर्शन के बाद मिले सकारात्मक मीडिया कवरेज और बढ़ावा का ज़िक्र किया। कोई मैच न जीत पाने के बावजूद, जापान की अंडर–19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ़ अच्छे नतीजे दिए और पूरे 50 ओवर की पारी खेली। ह्यूगो केली ने अंडर–19 वर्ल्ड कप और 50–ओवर के फ़ॉर्मेट में जापान के पहले शतकवीर (सेंटुरियन) बनकर इतिहास रचा; उन्होंने तीन पारियों में 200 रन बनाए। इटो–डेविस ने जापानी क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने की अपनी इच्छा ज़ाहिर की, चाहे वे लड़के हों या लड़कियाँ। उन्होंने कहा कि अगर मैं किसी जापानी बच्चे (लड़के या लड़की) को क्रिकेट खेलने या पहली बार क्रिकेट आज़माने के लिए प्रेरित कर पाता हूँ, तो यह मेरी सबसे बड़ी कामयाबी होगी। (जापान में) इस खेल को और ज़्यादा बढ़ावा देना ही मेरा लक्ष्य है। इस मैच के लिए जापान की टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं–

केंडेल काडोवाकी–फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा–हिन्ज़े, बेंजामिन इटो–डेविस, एलेस्टर काडोवाकी–फ्लेमिंग, कोहेई कुबोटा, जेक कुसुडा–नायरन, वातारू मियाउची (विकेटकीपर), रियो सकुरानो–थॉमस, एलेक्स शिराई–पैटमोर (विकेटकीपर), शोमा सुगाया–स्लेटर, डेक्लान सुजुकी–मैककॉम्ब, सुयोशी ताकाडा, इब्राहिम ताकाहाशी, मकोतो तनियामा और लैचलान यामामोटो–लेक।

एशेज का बेसब्री से इंतजार, इंग्लैंड के नए टेस्ट हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताई अपनी योजना

इंग्लैंड के नए टेस्ट हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम को लेकर अपना लॉन्ग टर्म विजन साझा किया है। उन्होंने इंग्लैंड को दुनिया की नंबर वन टेस्ट टीम बनाने और एशेज में मजबूत प्रदर्शन करने की इच्छा जताई। ब्रेंडन मैकुलम के हटने के बाद फ्लेमिंग टीम की संस्कृति और खेलने के तरीके को नए सिरे से संवारना चाहते हैं।

इंग्लैंड के नए टेस्ट हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग टीम को पूरी तरह से नए सिरे से तैयार करना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में ब्रेंडन मैकुलम ने टेस्ट हेड कोच का पद छोड़ दिया, जिससे बैज़बॉल के दौर का अंत हो गया। अब फ्लेमिंग के कमान संभालने के बाद, फैंस यह सोच रहे हैं कि इंग्लैंड की टीम में क्या–क्या बदलाव होंगे। इसी विषय पर बात करते हुए, फ्लेमिंग ने टीम के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के लिए उनका लॉन्ग–टर्म विज़न टीम की प्रतिष्ठा को बेहतर बनाना और टीम के व्यवहार पर भी ज़्यादा ध्यान देना है। क्रिकबज़ के अनुसार, फ्लेमिंग ने कहा कि मैं दुनिया की नंबर वन टेस्ट टीम का कोच बनना चाहूंगा। यही मेरी महत्वाकांक्षा होगी। मैं एशेज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं। एक न्यूज़ीलैंडर के तौर पर, मैंने अपने पूरे क्रिकेट करियर में एशेज़ को देखा और पसंद किया है, इसलिए इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। मैं इसके लिए उत्साहित हुए बिना नहीं रह सकता। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन एक काम है जो पहले ही शुरू हो चुका है और वह हमारी पहचान से जुड़ा है। इस पर काफी चर्चा हुई है और मुझे लगता है कि जिस तरह से खिलाड़ी इंग्लैंड और टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही खेलने का तरीका भी तय होगा और वह थोड़ा–बहुत खिलाड़ियों की पसंद के हिसाब से होगा, लेकिन मैं टीम में अपनापन महसूस करने को लेकर बहुत गंभीर हूं। हालांकि इंग्लैंड का अगला टेस्ट मैच अभी काफी दूर है, लेकिन टीम अभी वनडे क्रिकेट पर ध्यान दे रही है। गौरतलब

है कि इंग्लैंड को अगली वनडे सीरीज़ में श्रीलंका का सामना करना है। दोनों टीमें 22 सितंबर को चेस्टर–ले–स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड पर आमने–सामने होंगी। इसके अलावा, सीरीज़ के दूसरे और तीसरे वनडे मैच 24 और 27 सितंबर को लीड्स और लंदन में खेले जाएंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड का प्रदर्शन कैसा रहता है। 2027 वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए, आने वाली वनडे सीरीज़ टीम के लिए अच्छी प्रैक्टिस साबित हो सकती है।

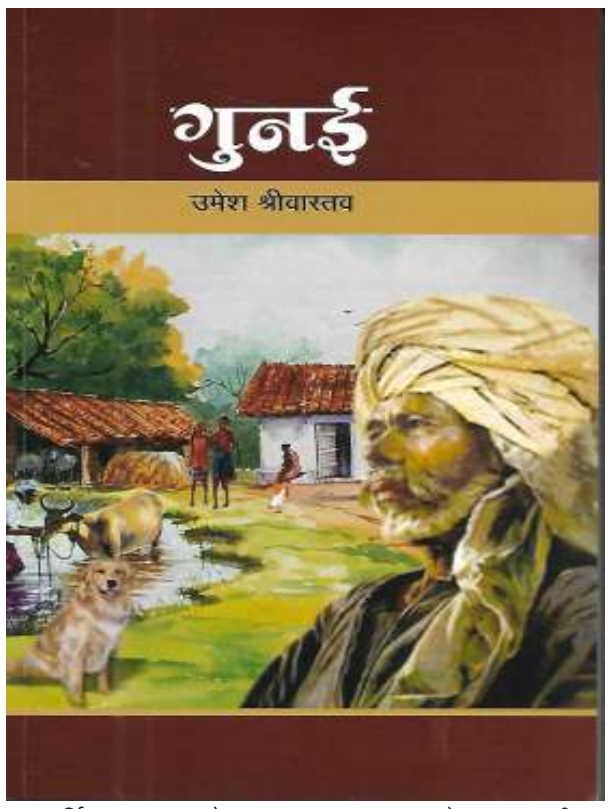

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

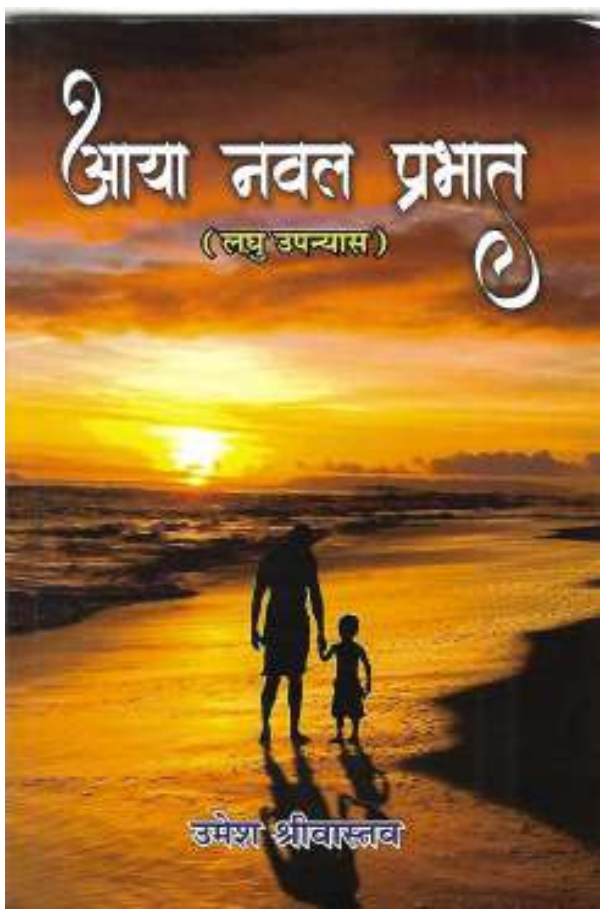

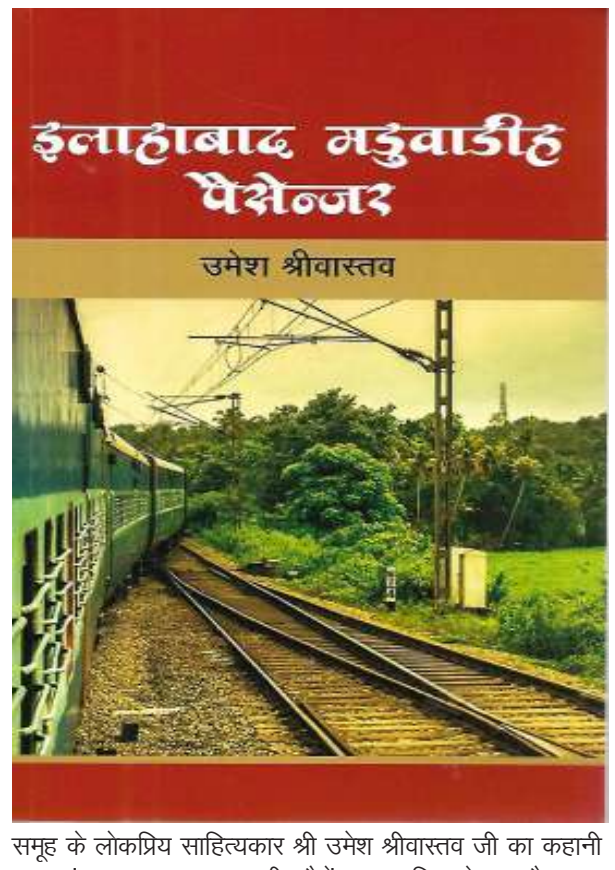

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

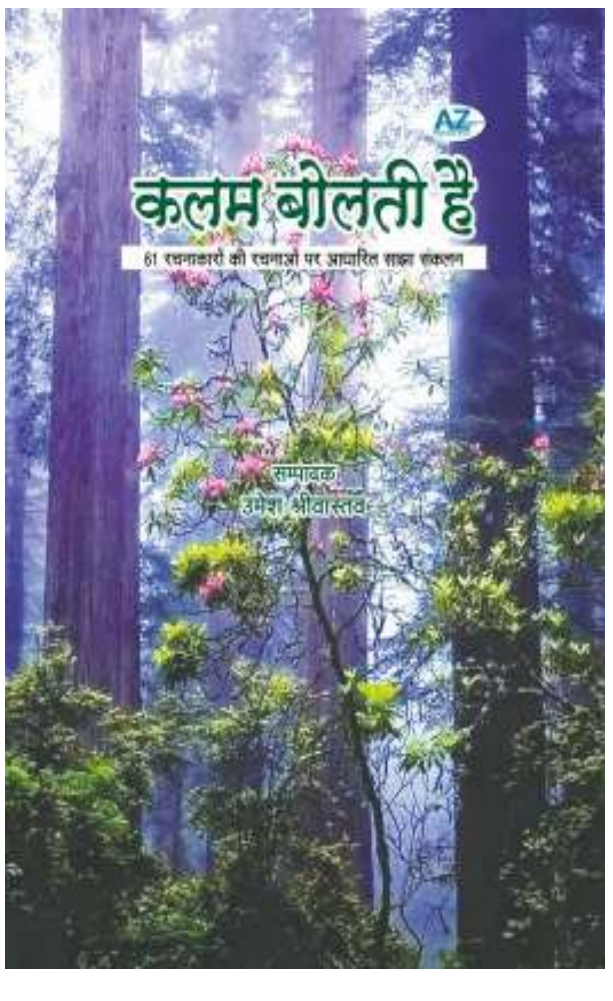

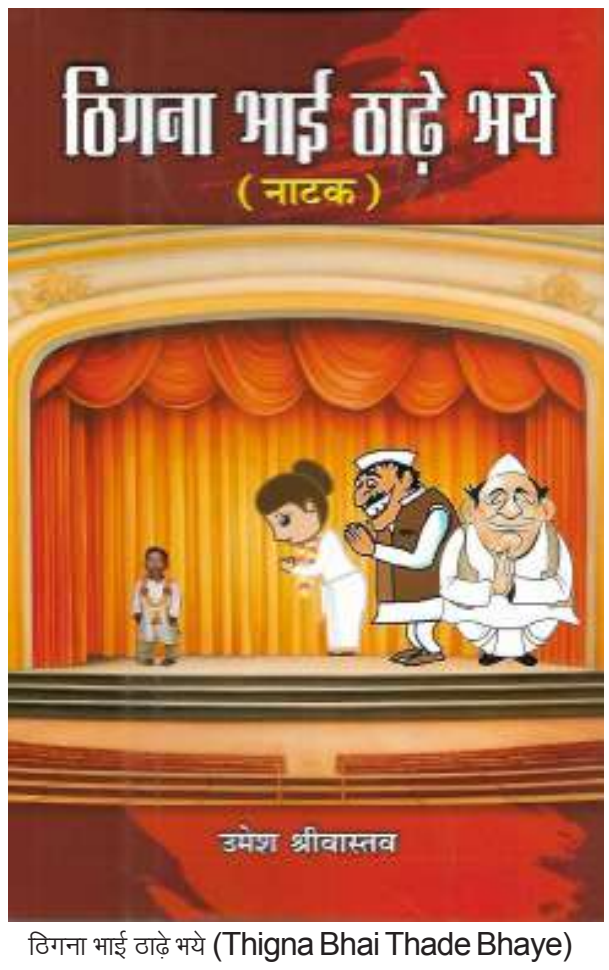

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कनाडा को ईयू का सहयोगी सदस्य बनाने की पहल, इमैनुएल मैक्रों ने किया समर्थन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ मुलाकात की और उनके देश को यूरोपीय संघ (ईयू) का पहला सहयोगी सदस्य बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया। दोनों नेताओं ने रविवार को फ्रांस के क्षेत्र सेंट–पियरे–ए–मिकलॉन में मुलाकात के दौरान अंतरिक्ष, रक्षा, ऊर्जा और कारोबार समेत विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाने पर सहमति जताई। यह मुलाकात कनाडा के अमेरिका के साथ संबंधों में गिरावट के बीच उसके यूरोप की ओर तेजी से बढ़ते झुकाव के लिहाज से खास महत्व रखती है। कार्नी के साथ खड़े मैक्रों ने कहा, ''हम यूरोपीय संघ के साथ कनाडा के संबंध और मजबूत करने की इस पहल का पूरा समर्थन करते हैं। इसमें कनाडा को संघ का सहयोगी सदस्य बनाने के साथ ही उसे व्यापक यूरोपीय समुदाय से पूरी तरह जोड़ना भी शामिल है।'' कार्नी ने कहा कि कनाडा और फ्रांस के मूल्य साझा हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी अंतरिक्ष एजेंसियों और रक्षा मंत्रालयों को प्रक्षेपण प्रणालियों एवं जमीन पर स्थित सिग्नल ग्रहण केंद्रों समेत बुनियादी ढांचा विकसित करने और साझा करने का जिम्मा देंगे। दोनों देशों ने ऊर्जा, दूरसंचार, जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने की क्षमता और आर्थिक विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। इससे कुछ दिन पहले यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कनाडा को ईयू का पहला सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। कार्नी ने इस संभावना का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यूरोप के साथ गहरे संबंध कनाडा को अधिक विकल्प देंगे और उसे किसी एक देश के आर्थिक दबाव के प्रति कम संवेदनशील बनाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्क, आर्थिक रियायतों की मांग और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बार–बार की गई बातों ने कनाडा के यूरोप की ओर झुकाव को और तेज किया है। ट्रंप ने हाल में सोशल मीडिया पर एक ऐसा नक्शा भी साझा किया था, जिसमें कनाडा और सेंट–पियरे–ए–मिकलॉन समेत पूरे उत्तरी अमेरिका पर अमेरिकी झंडा दिखाया गया था। मैक्रों ने रविवार को सेंट–पियरे–ए–मिकलॉन के हवाई अड्डे पर कार्नी का स्वागत किया। मैक्रों ने यह भी कहा कि रविवार की वार्ता ऐसे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य ईरान युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में आई बाधाओं और ईंधन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की आशंकाओं के बीच फ्रांस के लिए तेल एवं गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। मैक्रों ने कहा, ''कनाडा के पास महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदा तत्वों के बड़े भंडार हैं। वह तेल और प्राकृतिक गैस का भी एक प्रमुख उत्पादक है।'' कार्नी के कार्यालय ने एक बयान में बताया कि दोनों नेताओं ने एयरोस्पेस, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों और क्वांटम कंप्यूटिंग, उपग्रहों तथा सुपरकंप्यूटिंग जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों पर भी चर्चा की। कार्नी रविवार देर रात ओटावा लौटे, जहां उन्होंने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टॉर के साथ रक्षा, आर्कटिक सुरक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों और उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान पर अंधेरे में पाकिस्तान ने कर दी एयरस्ट्राइक, 3 लोगों की मौत और कई घायल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव एक बार फिर से विस्फोटक हो चुका है क्योंकि पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान की सीमा के भीतर एयर स्ट्राइक्स को अंजाम दिया गया है। तालीबान से जुड़े हुए मीडिया नेटवर्क और अफगानी समाचार एजेंसी टोल न्यूज़ के हवाले से बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तानी वायुसेना के लाखों विमानों ने अफगानिस्तान की सीमा के अंदर घुसकर कई इलाकों में एयर स्ट्राइक्स को अंजाम दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 21 सितंबर तड़के सुबह पाकिस्तानी फाइटर जेट्स ने पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार और पातिका प्रांत में भारी बमबारी की है। तो न्यूज़ और स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि कुनार

प्रांत में इस हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। अफगानी मीडिया और स्थानीय सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में करीब 3रू30 पर बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए रिहाइशी इलाकों को अपना निशाना बनाया है। जिसमें लोगों की मौत भी हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। अगर हम बात करें कुनार प्रांत की तो कुनार के नूरगुल जिले के पतंग इलाके में पाकिस्तानी जज ने बम गिराए हैं। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक वहां पर एक आम नागरिक नूर मोहम्मद के घर पर सीधा बम गिरा। जिससे उनका घर पूरी तरीके से मलबे में तब्दील हो गया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है और कई सारे लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोग मलबे के बीच से बम के टुकड़े और अवशेष निकालते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। वहीं बात करें पातिका प्रांत की तो पात्तिका के बारल जिले के राखा और तोराकंडी इलाके में दो अलग–अलग जगहों पर पाकिस्तान की ओर से हमले किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यहां पर खाली मकान और पुरानी दुकानों पर पाकिस्तानी बम गिरे हैं। जिससे यह पूरा इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है। पाकिस्तान की ओर से ये हमला कोई पहली घटना नहीं थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

मिसाइल हमलों से दहला सऊदी अरब! अमेरिका ने जारी किया हाई–सिक्योरिटी रेड अलर्ट, ताइफ़ और यानबू में यात्रा पर लगा बैन

यमन के हूथी विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के प्रमुख शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचों पर लगातार किए जा रहे मिसाइल व ड्रोन हमलों के बीच सुरक्षा स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। बढ़ते खतरों को देखते हुए अमेरिका ने सऊदी अरब में मौजूद अपने सरकारी कर्मचारियों के लिए यात्रा संबंधी पाबंदियों को और कड़ा कर दिया है। अमेरिकी मिशन ने सुरक्षा हालात का हवाला देते हुए अपने कर्मचारियों को ताइफ़ और यानबू की यात्रा करने से पहले विशेष मंजूरी लेने का आदेश दिया है। सऊदी अरब में अमेरिकी मिशन ने रविवार को यह एडवाइजरी जारी की, जो सरकारी और निजी–दोनों प्रकार की आधिकारिक यात्राओं पर लागू होगी। इसके अलावा पूरे देश में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है।

अमेरिकी कर्मचारियों के लिए यात्रा पर नई पाबंदियां

सुरक्षा के नए उपायों के तहत, सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारी पहले से खास मंजूरी लिए बिना ताइफ़ या यानबू की यात्रा नहीं कर सकते। यह कदम उन मौजूदा पाबंदियों में और इजाफ़ा करता है जो सुरक्षा जोखिमों के कारण देश के कई हिस्सों में यात्रा करने वाले कर्मचारियों पर पहले से ही वाशिंगटन द्वारा लगाई गई हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की 15 सितंबर की सऊदी अरब यात्रा एडवाइज़री में देश को अभी भी लेवल 3 या यात्रा पर पुनर्विचार करें की श्रेणी में रखा गया है। एडवाइज़री में ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों, सशस्त्र संघर्ष और आतंकवाद से जुड़े जोखिमों का ज़िक्र किया गया है। इसमें यमन सीमा क्षेत्र को लेवल 4 या ष्यात्रा न करेंष की श्रेणी में भी रखा गया है। विदेश विभाग का कहना है कि अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को यमन सीमा के 20 मील के दायरे में यात्रा करने की मनाही है और जिज़ान, असीर, नज़ान और कतीफ़ की यात्रा के लिए खास मंजूरी की ज़रूरत होती है।

रियाद की ओर दागी गई हूथी मिसाइल को रोका गया

ये नई पाबंदियां 19 सितंबर को बढ़े तनाव के बाद लगाई गई हैं, जब सऊदी–नेतृत्व वाले गठबंधन के अनुसार, सऊदी वायु रक्षा प्रणालियों ने हूथी समूह द्वारा रियाद की ओर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया था। गठबंधन ने यह भी कहा कि बिषा, ताइफ़, फ़रासान और यानबू में नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया। सऊदी अधिकारियों ने हवाई हमले के खतरे को लेकर आपातकालीन चेतावनी जारी की, जबकि रियाद हवाई अड्डे के पास आग की लपटें और धुआं देखा गया। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि रियाद की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और न ही कोई नुकसान हुआ। ये हमले कई दिनों तक बढ़ी हुई सैन्य गतिविधियों के बाद हुए। 14 सितंबर को सऊदी अधिकारियों ने बताया कि खमीस मुशैत, आभा और ताइफ़ पर हूथी मिसाइल और ड्रोन हमलों में 13 आम नागरिक घायल हो गए और सात घरों व दो गाड़ियों को नुकसान पहुँचा। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, ताइफ़ में एक और ड्रोन घटना हुई जिसमें रोके गए हूथी ड्रोन के मलबे से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

अमेरिका ने अमेरिकियों के लिए सुरक्षा गाइडलाइंस जारी कीं

अपने कर्मचारियों पर लगी पाबंदियों के साथ–साथ, अमेरिकी मिशन ने सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे स्टेट डिपार्टमेंट के श्स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्रामश में रजिस्टर करें, स्थानीय मीडिया और सरकारी घोषणाओं पर नज़र रखें, मोबाइल फ़ोन चार्ज रखें और सऊदी अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। अमेरिकियों को प्रदर्शनों और बड़ी भीड़–भाड़ वाली जगहों से दूर रहने, अमेरिका से जुड़ी सार्वजनिक जगहों पर सावधानी बरतने और ज़्यादा ध्यान आकर्षित न करने (लो प्रोफ़ाइल बनाए रखने) की सलाह भी दी गई है। हवाई हमले की स्थिति में, मिशन ने लोगों को खिड़कियों और कांच के दरवाज़ों से दूर रहने और सरकारी जानकारी पर नज़र रखते हुए गिरे हुए मलबे से बचने की सलाह दी है। सऊदी अरब में अमेरिकी नागरिकों के लिए नियमित और आपातकालीन कांसुलर सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

कतर ने सऊदी अरब पर हुए हमलों की निंदा की

हालिया तनाव बढ़ने पर कतर ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उसके विदेश मंत्रालय ने रियाद को निशाना बनाकर किए गए हूथी बैलिस्टिक मिसाइल हमले के साथ–साथ बिषा, ताइफ़, फ़रासान और यानबू में नागरिकों और नागरिक संपत्तियों पर हमले की कोशिशों की निंदा की। दोहा ने कहा कि ये हमले सऊदी अरब की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और रियाद के साथ एकजुटता दोहराई। कतर ने यह भी कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा, कतर और व्यापक गल्फ़ कोऑपरेशन काउंसिल की सुरक्षा का एक अहम हिस्सा है।

जियोर्जिया मेलोनी का बड़ा ऐलान, इटली के क्लासरूम में बैन होगा बुर्का और नकाब, सांस्कृतिक मूल्यों की राह पर चलेगा रोम

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने देश की शिक्षा व्यवस्था और आप्रवासन (इमिग्रेशन) नीतियों में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। रोम में अपनी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली की युवा शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेलोनी ने घोषणा की कि सरकार स्कूलों में चेहरा ढकने वाले कपड़ों–जैसे बुर्का और नकाब– पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, कक्षाओं में विदेशी छात्रों की सीमा तय करने और विदेशी माता–पिता के लिए इतालवी भाषा सीखना अनिवार्य करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित नियमों के तहत, जो विदेशी छात्र स्कूल सिस्टम में घुलने–मिलने में संघर्ष करते हैं, उनके माता–पिता को इतालवी भाषा की क्लास में शामिल होना होगा। इस प्रस्ताव के कानून बनने के लिए, सरकार की मंजूरी मिलने के 60 दिनों के भीतर संसद की मंजूरी की ज़रूरत होगी। फिलहाल, दुनिया भर के 24 देशों में – जिनमें फ्रांस और चीन शामिल हैं – बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध है।

जियोर्जिया मेलोनी के तीन प्रस्ताव

मेलोनी ने 2027 के चुनावों से पहले अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के मकसद से एक बड़ी घोषणा की है। इटली की पीएम ने स्कूलों में बुर्का और नकाब जैसे चेहरे को ढकने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने खास तौर पर बुर्का – कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पूरी तरह से शरीर को ढकने वाली पोशाक – और नकाब – सबसे रूढ़िवादी मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला नकाब, जिसमें ज़्यादा से ज़्यादा सिर्फ़ आँखें ही दिखती हैं – पर प्रतिबंध लगाने का ज़िक्र किया। लेकिन मेलोनी ने हिजाब – कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले सिर के स्कार्फ – का ज़िक्र नहीं किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इटली आने वाले छात्रों को इतालवी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना होगा।

मेलोनी ने तीन मुख्य प्रस्ताव रखे

जो कोई भी इटली आना चाहता है, उसे...

प्रधानमंत्री मेलोनी ने कहा, जो कोई भी इटली आकर अपना भविष्य बनाना चाहता है, उसके लिए हमारी भाषा सीखना, हमारी संस्कृति को समझना और हमारे नियमों का सम्मान करना ज़रूरी है। यही उनके स्वागत का सही तरीका है। इसीलिए काउंसिल ऑफ़ मिनिस्टर्स के सामने एक प्रस्ताव रखा जा रहा है ताकि हर क्लास में विदेशी छात्रों की संख्या पर कानूनी तौर पर रोक लगाई जा सकेकृयानी एक अधिकतम सीमा तय की जा सके। इसके अलावा, इस प्रस्ताव में उन विदेशी छात्रों के माता–पिता के लिए इतालवी भाषा सीखना अनिवार्य किया गया है जिन्हें स्कूल सिस्टम में घुलने–मिलने में परेशानी होती है, और इसमें स्कूलों में 'बुर्का' और 'नकाब' पर रोक लगाने की बात भी कही गई है। आप सहमत होंगे, मुझे यकीन है कि आप हैं, क्योंकि आप बिना चेहरा ढके स्कूल जाते हैं, और क्योंकि इटली में कोई यह तय नहीं कर सकता कि किसी युवा महिला को किसी असली या मानी गई परंपरा के नाम पर खुद को छिपाकर रखना चाहिए।

अगले साल इटली में चुनाव

ध्यान देने वाली बात यह है कि इटली में अगला आम चुनाव 2027 में होना है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने हाल ही में अपनी सरकार के लंबे कार्यकाल का जश्न मनाया; यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद से देश की सबसे लंबे समय तक बिना किसी रुकावट के चलने वाली सरकार बन गई है। 2027 के आम चुनावों से पहले, मेलोनी ऐसे मुद्दों की तलाश में हैं जो उनकी लोकप्रियता को बनाए रखने में मदद कर सकें। इटली में माइग्रेशन (प्रवास) और राष्ट्रीय पहचान हमेशा से बड़े और संवेदनशील चुनावी मुद्दे रहे हैं, और मेलोनी नहीं चाहतीं कि उनके विरोधी सत्ता में वापसी के लिए इन मुद्दों का इस्तेमाल करें।

1600 ड्रोन से रूस के तेल पर बहुत बड़ा हमला, अब दुश्मनी भूल हाथ मिलाएंगे भारत-चीन!

यूक्रेन ने 20 सितंबर को यहां कई ड्रोन हमले किए हैं। आप इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन की तरफ से आने वाले 1600 ड्रोंस को उसने इंटरसेप्ट किया है। इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को की एक ऑयल रिफाइनरी और सेना के लॉजिस्टिक ठिकाने को टारगेट किया। कई इमारतों को इसमें नुकसान भी पहुंचा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब रूस में संसदीय चुनाव के लिए वोटिंग चल रही थी। वोटिंग का अंतिम दिन था। लोअर हाउस जो संसद है रूस का उसके लोअर हाउस के लिए यह वोटिंग थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलस्की ने खुद हमले की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, हमने रूस की ऑयल रिफाइनरी और सेना के लॉजिस्टिक ठिकाने को टारगेट किया। यह वही अरबों डॉलर का तंत्र है जहां रूस अपने डिफेंस का सामान तैयार करता है। जेलेंस्की ने यह भी बताया हमले में यूक्रेन ने क्या–क्या इस्तेमाल किया है। एफपी1 आर एमआईसीए 2000 पालतसिया वेंडेटा ल्यूती, बार्स, फ्लेमिंगो, सिचन और पेकिन यह तमाम हथियार हैं जिसका इस्तेमाल यूक्रेन ने किया है। यह सभी कामिकाजे ड्रोंस हैं। कुछ ड्रोन का मिसाइल हैं। लंबी दूरी वाले ड्रोंस हैं ये। जेलस्की ने बताया कि यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस एसबीयू ने अनमैंड सिस्टम फोर्सेस डिफेंस इंटेलिजेंस और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस के साथ मिलकर इस हमले को अंजाम दिया है। मॉस्को के मेयर सरगेई सोवियान ने बताया कि रूसी एयर डिफेंस ने अब तक 1600 से ज्यादा ड्रोंस को इंटरसेप्ट किया, मार गिराया। जिनमें से 450 ड्रोनस सीधे राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे यूक्रेन की तरफ से। सोबियान ने टेलीग्राम पर बताया यह हमला साफ तौर पर इलेक्शंस में बाधा डालने के इरादे से प्लान किया गया था। लेकिन दुश्मन अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका। सोबियान के मुताबिक कई ड्रोंस मॉस्को

की तेल रिफाइनरी के अंदर पहुंच गए जिसे पहले भी हमलों में निशाना बनाए जाने की कोशिश की जा चुकी है। इस ऑयल रिफाइनरी को पहले भी यूक्रेन टारगेट कर चुका है। अमेरिका ने जो किया है उसे देखकर भारत, रूस और चीन को जल्द ही बहुत बड़ा फैसला लेना होगा क्योंकि निशाने पर भारत, रूस और चीन ही हैं। इस मुश्किल घड़ी में अगर चीन ने भारत का साथ नहीं दिया तो चीन का मरना तो तय है ही, लेकिन नुकसान भारत को भी उठाना पड़ सकता है। दरअसल एक बहुत बड़ा तूफान आने वाला है क्योंकि अमेरिका ने भारत और चीन को बर्बाद करने के लिए सऊदी अरब और रूस पर हमले करवा दिए हैं। सबसे पहले अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों से संपर्क किया। इसके तुरंत बाद सऊदी अरब के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑयल रिफाइनरीज पर हमले शुरू हो गए। स्टेट ऑफ हार्मोस पहले से ही बंद थी। लेकिन अब लाल सागर के पास बाबल मंदेव स्ट्रेट पर भी खतरा मंडराने लगा है। यही वो दो स्ट्रेट्स हैं जिनके जरिए भारत और चीन को सबसे ज्यादा कच्चा तेल मिलता है।

उत्तर–पूर्वी सूडान में सोने की खदान ढहने से 11 मजदूरों की मौत, 30 घायल

उत्तर–पूर्वी सूडान में सोने की एक खदान की सुरंग ढहने से कम से कम 11 खनिकों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार को हुई। यह देश में सोने की अनौपचारिक खदान की सुरंग ढहने की एक सप्ताह के भीतर दूसरी घटना है। सूडान में इस तरह की हजारों छोटी और अनौपचारिक खदानें हैं। देश के पश्चिमी हिस्से में पिछले रविवार को सोने की एक अन्य खदान की कई सुरंगें ढहने से कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई थी। यह इलाका अर्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के नियंत्रण में है जो तीन साल से अधिक समय से सूडानी सेना से लड़ रही है। सरकारी स्वामित्व वाली 'सूडानी मिनरल रिसोर्सेज कंपनी' के एक अधिकारी ने अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि रविवार तक 11 शव बरामद कर लिए गए और 30 लोगों को बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की तलाश जारी है। कंपनी ने एक बयान जारी कर खदान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की लेकिन उसने हताहतों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। सोना उत्पादक देश सूडान में सुरक्षा मानकों का व्यापक रूप से पालन नहीं किए जाने के कारण खदान की सुरंगें ढहने की जानलेवा घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं।

पुतिन की यूनाइटेड रशिया पार्टी को संसद में मिला प्रचंड बहुमत, 355 सीटें मिलने के संकेत

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

यूक्रेन से युद्ध शुरू होने के बाद रूस में पहली बार हुए संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की समर्थित यूनाइटेड रशिया पार्टी ने देश की संसद में अपना बहुमत बरकरार रखा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मतदान एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत हुआ, जिसमें ज्यादातर विपक्षी उम्मीदवार शामिल नहीं थे और इससे सरकार का सत्ता पर मजबूत नियंत्रण बना रहा। केंद्रीय चुनाव आयोग के अनुसार, 95 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों के नतीजों में पार्टी की सूची के आधार पर चुने जाने वाले 225 सांसदों की सीट पर यूनाइटेड रशिया को लगभग 58 प्रतिशत वोट मिले हैं।

इसके अलावा, 225 सांसदों का चुनाव अलग–अलग निर्वाचन क्षेत्रों में सीधे मुकाबले के जरिए हुआ है। इस निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों में यूनाइटेड रशिया के उम्मीदवार 208 सीटों पर आगे हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग की अध्यक्ष एला पामफिलोवा ने कहा कि शुरुआती नतीजों से संकेत मिलता है कि यूनाइटेड रशिया को 450 में से 355 सीटें मिलेंगी।

इस चुनाव में पहली बार यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों के निवासियों को भी शामिल किया गया है, जिन्हें युद्ध शुरू होने के बाद मास्को ने अवैध रूप से रूस में मिला लिया था। हालांकि, इन क्षेत्रों पर रूस का अब भी पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। वर्ष 2014 में रूस द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्रीमिया प्रायद्वीप में भी मतदान हुआ। यूक्रेन ने इन क्षेत्रों में मतदान को अवैध करार दिया है। चुनाव से पहले रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' ने विपक्ष के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज कर दी।

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।